–गुर्जिएफ

Priyanka Chopra's

Moms say ...

Ranchi ● Tuesday, 03 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 310 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

चांदी 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अर्थव्यवस्था का बुरा हाल 'न्य डील' जरूरी : राहुल NEW DELHI : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में गिरावट का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप

लगाया कि अर्थव्यवस्था का बुरा हाल है और जनता बेहाल है। उन्होंने यह भी कहा कि अब नयी सोच तथा कारोबार के लिए 'न्यु डील' की जरूरत है। वर्ष 1933 से 1938 के बीच आर्थिक महामंदी से उबरने के लिए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने 'न्यू डील' नामक कार्य-योजना की घोषणा की थी, जिसके अंतर्गत कई सामाजिक उदारवादी नीतियों को अमल में लाया गया। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ह्यअर्थव्यवस्था का बुरा हाल, जनता का हाल बेहाल। इस रिंथिति में सुधार के लिए बिना समय गंवाए एक नयी सोच तथा कारोबारों के लिए नई डील की जरूरत है। बता दें कि आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर ५.४ प्रतिशत रही, जो करीब दो साल में सबसे निचला स्तर है।

किसानों ने फिलहाल रोका दिल्ली मार्च

NEW DELHI: सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले दिल्ली कूच कर रहे किसानों ने प्रशासन के साथ वार्ता के बाद फिलहाल अपना मार्च स्थगित कर दिया है। किसानों ने अपनी मांगों पर गौर करने के लिए प्रशासन को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही रुकेंगे। अगर एक हफ्ते के अंदर मांगें नहीं मानी गई तो 'दिल्ली कूच' आंदोलन फिर से करेंगे। इससे पहले सुबह अपनी जमीनों के मुआवजे और अन्य मांगों को लेकर हजारों की संख्या में किसानों ने नोएडा से दिल्ली कूच शरू किया। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए नोएडा पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल के गेट नंबर 3 के सामने बैरिकेड लगाकर यातायात रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच काफी नोकझोंक और जोर आजमाइश भी हुई।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 10 करोड का गांजा जब्त

NEW DELHI : राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये का गांजा कथित तौर पर तस्करी कर देश में लाने के मामले में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने एक बयान में बताया कि 26 नवंबर को थाईलैंड के फकेट से यहां पहुंचने पर आरोपियों को रोका गया। विभाग ने कहा कि उनकी ट्रॉली बैग की तलाशी लेने पर पॉलीथीन की 17 थैलियां मिलीं जिनमें ह्यहरे रंग का मादक पदार्थ था और संदेह है कि यह 9,979 ग्राम गांजा है। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है।

भारत ने अंडर-१९ एशिया कप में जापान को हराया

NEW DELHI: कप्तान मोहम्मद अमान की नाबाद शतकीय पारी के साथ केपी कार्तिकेय और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के अर्धशतकों से भारत ने अंडर–19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में सोमवार को यहां जापान को २११ रन के बड़े अंतर से शिकस्त दी। भारत ने छह विकेट पर 339 रन बनाने के बाद जापान को आठ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया।

सोमवार को नौसेना प्रमख एडिमरल दिनेश के . त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि भारतीय नौसेना की हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर है। हम चीनी नौसेना इकाइयों सहित हिंद महासागर क्षेत्र में सक्रिय अतिरिक्त क्षेत्रीय बलों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखे हुए हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत अगले दो महीनों के भीतर भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमानों और तीन अतिरिक्त भारत निर्मित स्कॉर्पीन पनडब्बियों के सौदे को पुरा करेगा। नौसेना दिवस की वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि 29 अगस्त को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट को नौसेना के बेड़े में शामिल किया है, जो हमारे परमाणु त्रिकोण का तीसरा चरण है।

आईओआर में चीन की गतिविधियों पर भारत की कड़ी नजर

अगले २ माह में २६ राफेल लड़ाकू विमानों व तीन पनडुब्बियों का पूरा होगा सौदा, दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण की मंजूरी

विश्व शक्ति बनना चाहता है चीन

नौसेना प्रमुख से जब पूछा गया कि क्या चीन निकट भविष्य में हिंद महासागर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी होगा, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आपने चीन के बारे में सुना होगा कि वह खुद को मध्य साम्राज्य कहता है। एक किताब 'द हंड्रेड-ईयर मैराथन' में बताया गया है कि चीनी लोग क्या बनना चाहते हैं। उनका एक सपना है कि वे विश्व शक्ति बनना चाहते हैं। हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं। हमारा मानना है कि यह प्रशांत महासागर में और अधिक स्पष्ट होगा और हम यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी कर रहे हैं कि हमारे हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे हितों पर कोई असर न पड़े।

पाक की नौसेना को मजबूत बनाने में चीन की दिलचस्पी

वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नौसेना के कई युद्धपोत और पनडुब्बियां चीन के सहयोग से बनाई जा रही हैं, जो दशार्ता है कि चीन पाकिस्तान की नौसेना को और मजबूत बनाने में दिलचस्पी रखता है। उनकी आठ नई पनडुब्बियों में पाकिस्तानी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण युद्ध क्षमता होगी, लेकिन हम उनकी क्षमताओं से पूरी तरह वाकिफ हैं। यही कारण है कि हम अपने पड़ोसियों से सभी खतरों से निपटने में सक्षम होने के लिए अपनी अवधारणाओं में बदलाव कर रहे हैं। हम पाकिस्तानी नौसेना की आश्चर्यजनक वृद्धि से अवगत हैं, जिसका लक्ष्य 50 जहाजों वाली नौसेना बनना है। उन्होंने अपने लोगों के कल्याण करने के बजाय हथियारों को चुना है।

62 युद्धपोत और एक पनडुब्बी निर्माणाधीन

सच के हक में.

नौसेना प्रमुख ने कहा कि देश में 62 युद्धपोत और एक पनडुब्बी निमार्णाधीन हैं और प्रोजेक्ट-75 इंडिया की छह पनडुब्बियों सहित 31 और शक्तिशाली युद्धपोतों और पनडुब्बियों की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इसमें नौसेना के लिए 60 यूटिलिटी हेलिकॉप्टर मरीन शामिल हैं। सरकार ने दो परमाणु पनडुब्बियों के भी देश में निर्माण की मंजूरी दे दी है, जो देश में बन रहे हथियारों पर बढ़ रहे विश्वास को दशार्ता है। कई जहाज तैयार हैं और कम से कम एक जहाज को अगले साल ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। एडिमरल त्रिपाठी ने कहा कि हमने अहम और आधुनिक तकनीक को नौसेना में शामिल करने की कोशिशें कई

अरिहंत ने कर्ड बार की गश्त

हाल ही में आईएनएस अरिघाट से 3,500 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली परमाणु सक्षम मिसाइल के-४ के परीक्षण पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाटी ने कहा कि भारत का मिसाइल रहा। संबंधित एजेंसियां

परीक्षण पूरी तरह सफल मिसाइल के प्रक्षेप पथ की जांच कर रही हैं और जल्द ही हमें इसके परिणाम पता चल जाएंगे। उन्होंने यह भी

• फिल्म के निर्माताओं

और निर्देशक के

प्रयासों को सराहा

27 फरवरी 2002 को

हुई गोधरा ट्रेन जलाने

की घटना पर आधारित

वक्त पीएम मोदी गुजरात राज्य

के मख्यमंत्री थे। द साबरमती

रिपोर्ट सिनेमा घरों में रिलीज हो

चुकी है। इस फिल्म को दर्शक

खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म

में विक्रांत मेसी ने एक पत्रकार

की भूमिका निभाई है। पीएम मोदी

अपने दोस्तों के साथ इस फिल्म

को देखेंगे। इस फिल्म को

हरियाणा, ओडिशा, उत्तर प्रदेश,

, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य

प्रदेश और गजरात में टैक्स-फ्री

है यह पिक्चर

कहा कि पहली परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिहत ने कई गश्त की है और दूसरों ने अभी मिसाइल परीक्षण किया है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां उस समय तक तैयार हो जाएंगी, जो हमने सरकार को संकेत दिया है।

संसद परिसर की लाइब्रेरी

में पीएम मोदी ने देखी हिंदी

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'

AGENCY NEW DELHI:

सोमवार को शाम 4 बजे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद

परिसर की लाइब्रेरी में हिंदी

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'

देखी। पीएम मोदी ने कहा कि 'द

साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग में

एनडीए के साथी सांसदों के साथ

शामिल हुआ। मैं फिल्म के

निमार्ताओं और निर्देशक के

प्रयासों की सराहना करता हूं।

अभिनेता विक्रांत मैसी. रिद्धि

फरवरी, 2002 को हुई गोधरा

टेन जलाने की घटना पर

आधारित है। इस घटना में 59

लोगों की मौत हो गई थी.

सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे,

जिसमें 1,000 से अधिक लोगों

की जान चली गई थी, जिनमें

राशि खन्ना

फिल्म 27

गुजरात में

डोगरा और

अभिनीत यह

जिसके बाद

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के प्रधान सचिवों व सचिवों के साथ की मीटिंग

राजस्व के नए स्रोत तलाशने पर सीएम ने किया फोकस

PHOTON NEWS RANCHI:

सत्ता संभालने के बाद अब चीफ मिनिस्टर हेमंत सोरेन ने विकास को गति देने के लिए राजस्व के नए स्रोतों पर फोकस करना शुरू कर दिया है। सोमवार को उन्होंने कई विभागों के प्रधान सचिवों और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को राजस्व संग्रहण के नए स्रोत तलाशने का निर्देश दिया। साथ ही राजस्व संग्रहण बढ़ाने को लेकर एक्शन प्लान तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को गति देनी है और राजस्व संग्रहण को भी बढाना है। ऐसे में सभी विभाग राजस्व उगाही में तेजी लाएं। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से परे शरू की गई नई योजनाओं के अतिरिक्त दायित्वों की पूर्ति एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 अनुपूरक बजट की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने समीक्षा की।

AGENCY NEW DELHI:

लोकसभा और राज्यसभा में पिछले

एक सप्ताह से जारी गतिरोध समाप्त

हो जाएगा। सोमवार को लोकसभा

अध्यक्ष के साथ सोमवार को

विभिन्न दलों के फ्लोर लीडर की

बैठक हुई। सहमति बनी कि

मंगलवार से सदन को सुचारू रूप से

चलाया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष

के साथ बैठक के बाद संसदीय

कार्यमंत्री ने इसकी जानकारी दी और

आशा व्यक्त की कि सभी दल

मिलकर सदन को चलाने में मदद

करेंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा

अध्यक्ष ने कहा कि सभी सांसदों को

 अधिकारियों को निर्देश, राजस्व संग्रहण को बढाने के लिए करें कारगर उपाय

• जिलों में विभागों के अधिकारियों की तय होनी • काम-काज में विभागों के आपसी समन्वय की कमी दूर करने पर दिया जोर



रेवेन्य प्रबंधन को मजबत बनाने की जरूरत

सीएम ने कहा कि राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके साथ राजस्व की बर्बादी और स्थापना व्यय को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि रेवेन्यू जेनरेट सिस्टम का माइक्रो लेवल ऑब्जरवेशन कर इसकी खामियों को दूर करें। कई बार विभागों के बीच

स्पीकर के साथ विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक में बनी बात

संसद में गतिरोध खत्म, आज से सुचारू होगा काम

को-ऑर्डिनेशन नहीं होने से राजस्व संग्रहण की गति धीमी हो जाती है। ऐसे में इस समस्या के समाधान के लिए सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। जिससे राजस्व में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने ये भी कहा कि जिलों में अलग अलग विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में टीडीपी से लवु श्रीकृष्ण

द्रमुक से टीआर बालू, एनसीपी

देवरायलु, कांग्रेस से गौरव गोगोई.

(शरदचंद्र) से सुप्रियां सुले, सपा से

धर्मेंद्र यादव, जेडी (यू) से दिलेश्वर

कामैत, राजद से अभय कुशवाहा,

यूबीटी) से अरविंद सावंत और

बैठक में भाग लिया।

तणमल से कल्याण बनर्जी, शिवसेना

सीपीआई (एम) से के . राधाकृष्णन ने

जाएगी। उल्लेखनीय है कि

लोकसभा और राज्यसभा में पिछले

कई दिनों से संभल में हुई हिंसा और

अडानी पर अमेरिका में जांच से जुड़े

मुद्दों को लेकर गतिरोध जारी था।

एजेंसियां दे सकती हैं बेहतर राजस्व

मुख्यमंत्री कहा कि कई विभागों में ऐँसी कई एजेंसी, बोर्ड और निगम हैं; जो राजस्व का बेहतर माध्यम साबित हो सकते हैं। ऐसी एजेंसियों को बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित करें। इससे वे अपने कार्यों का विस्तार कर सकें। इससे राज्य को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। राज्य में कई उद्योग और कंपनियां काम कर रही हैं। लेकिन, कंपनियों द्वारा सीएसआर मद से जनकल्याणकारी योजनाओं में खर्च की जानकारी राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाती है। इसके लिए ऐसा मेकैनिज्म बनाया जाना चाहिए, जिसके जरिए कंपनियों के सीएसआर मद में किए गए खर्च की जांच हो सके। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दाँदेल, प्रधान सचिव एमएस मीणा, प्रधान सचिव सुनील कुमार, सचिव प्रशांत कुमार, सचिव प्रवीण टोप्पो, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव अबू बकर सिद्दीक व

अन्य अधिकारी मौजद थे।

NEW DELHI: सोमवार को सिविल सेवा कोचिंग शिक्षक और प्रेरक वक्ता अवध ओझा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उपस्थित में आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। ओझा ने कहा कि वह पार्टी की बच्चों के भविष्य पर केंद्रित विचारधारा से जुड़े हैं और उन्होंने शिक्षा के विकास को अपनी सबसे बडी महत्वाकांक्षा बताया। ओझा ने केजरीवाल नीत पार्टी में शामिल होने के बाद कहा, शिक्षा एक ऐसा माध्यम है, जो हमारे परिवारों की आत्मा, हमारे समाज की संरचना और हमारे राष्ट्र की आधारशिला बनाती है। दुनिया भर के सभी महान राष्ट्रों ने शिक्षा को अपनी प्रगति के आधार के रूप में रखा है। उन्होंने कहा, मैं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे राजनीति के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का मौका दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा कि ओझा के पार्टी में शामिल होने से शिक्षा प्रणाली में सुधार के उसके प्रयासों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा, जब भी हम आम आदमी पार्टी में किसी नए नेता का स्वागत करते हैं, तो हम अक्सर कहते हैं कि उनकी उपस्थिति से पार्टी मजबूत होगी। आज मैं कहना चाहुंगा कि अवध ओझा के राजनीति में आने से देश की पूरी



'आप' में शामिल हुए युपीएससी कोचिंग शिक्षक अवध ओझा

शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।



अधिकतर मुसलमान थे, उस घोषित कर दिया गया है। सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता

पिछले महीने फिल्म की रिलीज के बाद पीएम मोदी ने फिल्म की तारीफ भी की थी। प्रधान मंत्री मोदी ने कहा था कि एक नकली कहानी तथ्य सामने आने से पहले सीमित समय तक ही जारी रह सकती है। पीएम मोदी ने फिल्म के रिलीज होने के दौरान



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए अपने पोस्ट में कहा थां, बिल्कुल सही। यह अच्छी बात है कि अब सच सामने आ रहा है और वह भी ऐसे कि आम लोग भी इसे देख सकें, एक फेक नैरेटिव महज कुछ समय के लिए ही रहती है। अंत में

फैक्ट्स सामने आ ही जाते हैं। केंद्रीय गह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि सच्चाई को 'हमेशा के लिए अंधेरे में छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि फिल्म अद्वितीय साहस के साथ पारिस्थितिकी तंत्र को चुनौती देती है और उस भयावह घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करती हैं।

टेंडर कमीशन घोटाला मामले में जेल में हैं बंद

आलमगीर आलम की याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला रिजर्व

PHOTON NEWS RANCHI: सोमवार को टेंडर कमीशन

घोटाला मामले में आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन पर पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। मामले में आरोपियों पर आरोप गठित होना है। इससे पहले खुद पर लगे आरोप को मुक्त कराने के लिए आरोपितों के जरिए डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल किया गया है। मामले में ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम और उनके परिजन सहित कई सहयोगियों की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज हो चुकी है। 15 मई को ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था।

ईडी की छापेमारी में बरामद हुए थे 32 करोड़ रुपये

टेंडर कमीशन घोटाला मामले को लेकर ईडी ने सबसे पहले 21 फरवरी 2023 को बड़ी कार्रवाई की थी। निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के रांची जमशेदपुर पटना और दिल्ली सहित कई ठिकाने पर छापेमारी की थी। ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई 6 और 7 मई को हुई थी। इसमें कई इंजीनियर, कांट्रेक्टर ठेकेदार और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। आलमगीर आलम पीएस संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से 32 करोड़ कैश बरामद हुए थे।

भोजन और पानी में मिलावट के कारण पैदा हो रहीं गंभीर बीमारियां न्यू रिसर्च :

सेहत को गंभीर संकट में डाल रहे खतरनाक रसायन

सदन में अपनी बात रखने का

अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष के

नेता अपने हर विषय को अनुमति से

सदन में रख सकते हैं। रिजिजू ने

बताया कि बैठक में संविधान पर

AGENCY NEW DELHI:

प्रकृति से खिलवाड करने पर इसका असर भले तत्काल मानव जीवन पर न दिखे, लेकिन बाद में यह जानलेवा स्थिति भी पैदा कर देता है। औद्योगिक विकास की चकाचौंध में हमने प्रकृति का बड़ा नुकसान किया है। इसका फल बड़ी बीमारियों के पैदा होने में हम देख रहे हैं। जैसी करनी, वैसी भरनी वाली कहावत इस स्थिति पर सटीक बैठती है। हमने प्रकृति के दोहन की जगह शोषण किया। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लगातार बढ़ने की रिथिति पैदा हो गई। हमारे भोजन और पानी में खतरनाक रसायनों की उपलब्धता हमें गंभीर बीमारियों का शिकार बना रही है। विशेषज्ञों के खास अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि औद्योगिक प्रदूषण हमारी सेहत के लिए लगातार खतरा बनता जा रहा है। पॉली फ्लोरो एल्काइल पदार्थों

(पीएफएएस) की वजह से सेहत संबंधी समस्याएं

तेजी बढ़ रहीं हैं। एनवायर्नमेंटल रिसर्च पत्रिका में

भोजन और औद्योगिक प्रदूषण से लोगों के रक्त

स्तर और पीएफएएस के बीच संबंध हैं।

प्रकाशित अध्ययन में पता चला है कि पीने के पानी,

लगातार जानलेवा बीमारियों का शिकार बना रहा औद्योगिक प्रदुषण

- फसलों से लेकर सब्जियों तक की बदल रही तासीर
- प्राकृतिक विटामिन व खनिजों की कमी के कारण कम हो गया पोषण मृत्य
- प्रदूषण के कारण कैंसर जैसी बीमारी समय से पहले निगल रही जिंदगी
- शोधकताओं के अनुसार, आमतौर पर खाद्य पैकेजिंग में भी पाए जाते हैं पीएफएएस

चर्चा कराए जाने पर भी सहमति बनी

है। लोकसभा में 13-14 दिसंबर

यानी शक्रवार और शनिवार को

चर्चा कराई जाएगी। राज्यसभा में

16-17 दिसंबर को चर्चा कराई

ताजा भोजन में भी मौजदगी

शोधकताओं के अनुसार, पीएफएएस आमतौर पर खाद्य पैकेजिंग में भी पाए जाते हैं। यहां तक कि ताजे भोजन में कम मात्रा में पीएफएएस की पहुंच से भी खतरा हो सकता है। इसके लिए शोधकताओं ने अमेरिका के कृषि विभाग के आंकड़ों का इस्तेमाल किया है. जहां 500 से अधिक लोग या आबादी का एक तिहाई हिस्सा निकटतम सुपरमार्केट से 0.5 मील से अधिक दूरी पर रहते हैं। शोधकताओं ने पीएफएएस के कारण रक्त स्तर में होने वाले अंतर का पता लगाने के लिए दो प्रतिभागी समूहों मेटाबोलिक व अस्थमा पीड़ित किशोरों के खून के नमूनों को विश्लेषण किया।

रसायनों का बड़ा समृह है पीएफएएस मुख्य रूप से पीएफएएस हजारों

रसायनों का समूह है, जिनमें फ्लोरीन होता है। ये रसायन जल, तेल और दाग को दूर रखने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल और कई तरह के उत्पादों जैसे कि कपडे. कालीन, गद्दे, सोफे, नॉन स्टिक कुकवेयर व भोजन के लिए इस्तेमाल होने वाली कागज की पैकेजिंग में किया जाता है। एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव, निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों में भी इनका इस्तेमाल होता है। ये पर्यावरण में विघटित नहीं होते। इसलिए इन्हें फॉर एवर केमिकल भी

कहा जाता है।

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व

राजमहल में बस मालिक को मारी गोली, मौत, लूट में हत्या की आशंका

तीनपहाड़ के लालबन गांव के समीप हुई घटना, रुपये लेकर जा रहे थे घर

साहिबगंज जिला अंतर्गत राजमहल में सनसनीखेज कांड हो गया, जिसमें बस मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। राजमहल थाना क्षेत्र स्थित दहाली गांव के रहने वाले 65 सोमवार की सुबह अपराधियों ने गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। यह घटना तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के लालबन गांव के समीप हुई। शालीग्राम मंडल की करीब दर्जनभर बसें हैं, जो तीनपहाड़ से जसीडीह के बीच चलती हैं। तीनपहाड़-बोरियो पथ पर रामचौकी गांव के पास उनका पेटोल पंप भी है। प्रत्येक दिन की तरह वह पेट्रोल पंप पर गए, वहां



घटनास्थल व अस्पताल में जुटे पुलिस पदाधिकारी व अन्य

स्टैंड पहुंचे। वहां से बस के सेल का पैसा लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। लालबन गांव के समीप पीछे से बाइक से पहुंचे अपराधियों ने गोली मार दी और

गिर गए। वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने उन्हें गिरा देखकर

अनुमंडल अस्पताल पहुंचे, जहां बाद तीनपहाड़ थाना प्रभारी मो. चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित घटना की जानकारी मिलने के शभचिंतकों की भीड अनमंडल अस्पताल में लग गई। उधर,

शाहरूख व तालझारी थाना प्रभारी अमर घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन शरू की। उधर. राजमहल थाना प्रभारी ने अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर

हिल्दया-बरौनी तेल पाइपलाइन से डीजल चुराने वाले दो धराए

JAMTARA : हल्दिया-बरौनी तेल पाइपलाइन से डीजल चोरी करने वाले दो लोगों को नाला थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों काफी शातिर हैं। पहले भी तेल चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं। इनलोगों के पास से पाइप लाइन को तोडने वाली सामग्री भी बरामद की गई है। पलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारिब ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की पाइपलाइन से लगातार तेल चोरी की जा रही थी। इसी क्रम में नाला थाना में दर्ज मामले में संलिप्त अपराधी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी। इस कड़ी में यूपी के जौनपुर का निवासी अरविंद यादव एक दिसंबर को गिरफ्तार किया गया। अरविंद पाइपलाइन से चोरी करने वाला मुख्य व तकनीकी एक्सर्ट है। वह नाला, आसनसोल, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश इत्यादि क्षेत्रों में पाइपलाइन से तेल चोरी कर चका है। हाल में ही देवघर में भी

११ साल बाद रेलवे यूनियनों की मान्यता के लिए चुनाव कल से

सात यूनियनें लड़ रहीं चुनाव रेलवे जोन में रेलवे यूनियनों की इस बार यूनियन मान्यता के लिए मान्यता के लिए 4 दिसंबर से शुरू सात यूनियनें चुनाव मैदान में है। होगा और 5 व 6 दिसंबर को भी इसमें आल इंडिया रेलवे ट्रेक मेंटेनर यूनियन (एआईआरटीयू), दक्षिण पूर्व मतदान होगा। चक्रधरपुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों में चुनाव (डीपीआरएमएस), साउथ ईस्टन प्रचार तेजी से विभिन्न यूनियनें कर रेलवे मेंस कांग्रेस (एसईआरएमसी रही है। 11 साल बाद हो रहे साउथ ईस्टन रेलवे तणमल कांग्रेस यूनियन मान्यता चुनाव के लिए (एसईआरटीसी), साउथ ईस्टन रेलवे मेंस यूनियन (एसईआरएमयू विभिन्न यूनियनों ने अपनी पुरी साउथ ईस्टन रेलवे मजदूर यूनियन ताकत झोंक दी है। कुल 76,266 (एसईआरएमजेडय) और स्वतंत्र मतदाता मतदान करेंगे जिसके लिए रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन जोन में 90 मतदान केंद्र बनाए गए (एसआरबीकेयू) शामिल हैं। हैं। चक्रधरपुर रेल मंडल में सबसे ज्यादा 31 मतदान केंद्र शामिल हैं। लिए 6 मतदान केंद्र केंद्र बनाया इस चुनाव में रंनिंग कर्मचारी 6 दिसंबर को भी वोट डाल सकेंगे।

BRIEF NEWS

नेपाल में सम्मानित हुए कवि श्यामल सुमन

JAMSHEDPUR : नेपाल के विराटनगर में मैथिली एसोसिएशन ऑफ

सदानंद मंडल, नेपाली सिनेमा के सुपरस्टार रमेश रंजन, भारत से राहुल

सिन्हा, राम बहादुर रेणु समेत कई शिक्षाविद शामिल थे।

घोषित किया जाएगा। अधिक चक्रधरपुर मंडल में : दक्षिण पूर्व रेलवे के चार जोन के अलावा कोलकाता खड्गपुर वर्कशॉप में भी मतदान केंद्र बनाया गया है। रांची रेल

समारोह में शहर के कवि

श्यामल सुमन को मान

अंतराष्ट्रीय सम्मान से

नवाजा गया। इस समारोह में नेपाल सरकार के पर्यटन

और नागरिक उड्डयन मंत्री

मतगणना 12 दिसंबर को होगा।

परिणाम भी 12 दिसंबर को ही

गया है। आद्रा रेल मंडल के 13,966 वोटरों के लिए 18 मतदान केंद्र, चक्रधरपुर रेल मंडल के 24180 मतदाताओं के लिए सर्वाधिक 31 मतदान केंद्र, खड्गपुर रेल मंडल 21,221 मतदाताओं के लिए 23, खड़गपुर वर्कशॉप में 6,878 मतदाताओं के लिए 9 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कोलकाता हेड क्वार्टर के 3,049 कर्मचारियों के लिए भी मतदान

लातेहार में बदमाशों ने कोयला लदे दो वाहनों में लगाई आग

जिले के बालुमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत कसमाही रेलवे साइडिंग के पास रविवार की देर रात लगभग 2:00 बजे अज्ञात अपराधियों ने कोयला लदे दो हाइवा में आग लगा दी। इस दौरान अपराधियों ने चालकों के साथ

जानकारी के अनुसार, लातेहार के तुबेद कोलियरी से कोयला लोड कर हाइवा बालुमाथ के कुसमाही रेलवे साइडिंग की ओर जा रही थी। इसी दौरान चार की संख्या में अपराधी कुसमाही साइडिंग के पास पहुंचे और वहां कोयला लदे दो गाड़ियों में आग लगा दी। अपराधियों ने इस दौरान चालकों के साथ मारपीट भी की। बताया जाता है कि अपराधियों ने मौके पर



बाद चालक ने पूरे मामले की जानकारी हाइवा के मालिक को दी। इसके बाद हाइवा के मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची लेकिन तब

की टीम घटना को लेकर छानबीन

वाहन चालकों ने कहा कि वे लोग कोयला लेकर साइडिंग की ओर जा रहे थे। साइडिंग से थोड़ी देर पहले ही चार की संख्या में अपराधियों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट करते हुए मोबाइल छीन लिया। अपराधियों ने इस दौरान अपने साथ लेकर आये पेट्रोल से

गंभीर रूप से घायल करने के ढोषी को पांच वर्ष कारावास की सजा

घटना की जानकारी मिलने के

KODERMA: जान से मारने की नीयत से मारकर गंभीर रूप से घायल करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने सोमवार को दोषी मनीष कुमार सिंह (42) निवासी सामंतो पेट्रोल पंप के नजदीक, झुमरी तिलैया को 5 वर्ष कारावास की सजा सुनाई। सत्रवाद 154/21 में भादवि की धारा 307 के तहत दोषी पाते हुए न्यायालय ने 5 वर्ष की सजा के साथ ही 5 हजार जुमार्ना भी लगाया। मामला वर्ष 14-03-2019 का है। इसे लेकर तिलैया थाना में प्रिंस कुमार सिंह पिता रविंद्र सिंह, तिलैया ने मामला दर्ज कराया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक व अधिवक्ता आत्मानंद कुमार पांडे ने किया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता कुमार रोशन ने

गिरिडीह में ड्रोन से अवैध शराब के अड्डों पर छापेमारी



प्रेमी के खिलाफ दर्ज कराएगी आपराधिक मुकदमा

र्बेनुधर को थाना बुलाया। बेनुधर थाना आकर पुलिस व लड़की तथा लड़की के

परिजन को कहा कि वह आज शादी नहीं करेगा, बल्कि आज शाम 4 बजे गुआ

और प्रेमिका अपने–अपने घर चले गए। इस बीच युवती व उसके परिजन सगाई

शिव-काली मंदिर में अपनी प्रेमिका के साथ सगाई करेगा। उसके बाद प्रेमी

की परी तैयारी के साथ निर्धारित समय से पहले मंदिर पहुंचे, लेकिन बेनधर

पान फरार हो गया। उसके बाद मंदिर में जमकर नाटक देखने को मिला।

पुलिस भी बेनुधर की तलाश करती रही, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

प्रेमिका ने बताया कि अब वह थाने में बेनुधर पान के खिलाफ आपराधिक

मामला दर्ज कराने जा रही है। वह अपने हक व अधिकार की लड़ाई अंतिम

युवती ने कहा कि बेनुधर ने 2 दिसंबर को शादी करने का समय दिया था। समयसीमा खत्म होने पर वह अपने परिजन के साथ गुआ थाना पहुंची और

अवैध शराब की मट्टी को ध्वस्त करते पुलिस के जवान

लोकायनयनपुर थानसिंहडीह के तहत कारीपहाड़ी छापेमारी कर भारी मात्रा में जावा महुआ और शराब जब्त की है। छापेमारी में 86,000 किलो ग्राम जावा महुआ और 350 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की गई। बताया गया कि छापेमारी का नेतृत्व अवर निरीक्षक रवि रंजन ने किया। इस दौरान ड्रोन के मदद से

स्कैन किया गया, जिसके बाद अवैध शराब के अड्डे तक पहुंच कर अवैध शराब बनाने वाले को नष्ट.कर जावा महुआ को जब्त किया गया। साथ ही अवैध चुलाई बाबत अवर निरीक्षक ने बताया कि छापेमारी में 86,000 किलो ग्राम जावा महुआ और 350 लीटर अवैध चलाई शराब जब्त की गई।

बाबूडीह में दो दिनों में बिछने लगेगी पाइपलाइन JAMSHEDPUR: जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने 28 नवंबर को टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व में जुस्को) के प्रबंध निदेशक रितुराज सिन्हा से मोहरदा 🌉

बागुनहातु, बाबुडीह बस्ती समेत विभिन्न क्षेत्रों की जलापूर्ति योजनाओं को गति देने का अनुरोध किया था।



संदर्भ में टाटा स्टील युआईएसएल के वरीय अधिकारियों के साथ भुइयांडीह क्षेत्र अंतर्गत बाबुडीह बस्ती में बैठक की। पूर्णिमा साहू ने कहा कि 2018 में इस योजना का शिलान्यास हुआ था, और इसे अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। हालांकि देर से सही, लेकिन अब इस कार्य में और कोई देरी स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य शीघ्र शुरू कर हर घर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाने का कार्य दो दिनों के भीतर शुरू कर दिया जाएगा। विधायक ने अधिकारियों को 90 दिनों के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि जलापूर्ति योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इलाजरत पुलिस जवान की मौत

BAHRAGORA : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बरसोल थाना अंतर्गत पाथरा गांव निवासी झारखंड पलिस के जवान दशमत हेंब्रम (29) की शनिवार देर रात मौत हो गई। जवान ने आठ साल पूर्व नौकरी शुरू की थी। देवघर में पदस्थापना के दौरान ही जवान की तबीयत बिगड़ गई थी। उसे सहकर्मियों ने रांची में भर्ती कराया था। सोमवार को जवान का दाह संस्कार पैतृक गांव पाथरा में किया गया।



दुमका में युवती ने की खुदकुशी

DUMKA: 18 वर्षीय युवती संध्या कुमारी ने घर में पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर खुद्कुशी कर ली। यह घटना सोमवार को दुमका शहर के हरणाकुंडी रोड केवटपाड़ा मुहल्ले में हुई। घटना के वक्त घर में केवल उसकी मां थी। संध्या कुमारी के पिता प्रभात साह शहर के एक निजी विद्यालय में बस के चालक है। पिता का कहना है कि वे ड्यूटी पर चले गये थे। उसकी बेटी और पत्नी घर पर ही थी। इसी बीच सूचना मिली कि उनकी बेटी ने घर के अंदर पंखे से लटककर जान दे दी है। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। वे दौड़े भागे घर आए।

फायरिंग से पहले सुजीत सिन्हा गैंग के छह बदमाश गिरफ्तार



• फोटोन न्यूज

PALAMU : गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़े अपराधियों पर नकेल कसते हुए पलामू पुलिस ने उत्तर प्रदेश के दो अपराधियों को गिरफ्तार करने के बाद चैनपुर इलाके में क्रशर प्लांट पर फायरिंग करने जा रहे छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच हथियार, तीन मोटरसाइकिल और सात मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में एक जेजेएमपी का नक्सली भी रह चुका है। साथ ही एक कलाकार भी शामिल है। जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने

सोमवार को पत्रकारों को बताया कि 29 नवंबर की रात में अज्ञात अपराधियों के जरिये चैनपुर थाना क्षेत्र के दोकरा में क्रशर प्लांट पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने की घटना के बाद पुलिस इसके खुलासे और आवश्यक कार्रवाई के लिए सिक्रय थी। इसी बीच में गुप्त सूचना पर चैनपुर थाना क्षेत्र के ही सलतुआ रोड में छह लोगों को अवैध देशी पिस्टल एवं कड़ा लेकर किसी बडी घटना को अंजाम देने जाने के क्रम में पकडा गया। सभी तीन मोटरसाइकिल पर

शादी के लिए मंदिर में प्रेमिका करती रही इंतजार

प्रेमी हुआ फरार, मामला पहुंचा थाना, पुलिस भी लगी खोजने, नहीं मिली सफलता



मंदिर के बाहर जुटे युवती के परिजन

• फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA: प्यार में पागल प्रेमी प्रेमिका ने अपना घर छोड़ कर प्रेमी से विवाह करने का फैसला किया था। इसके लिए प्रेमिका मंदिर में अपने परिवार व रिश्तेदार के साथ इंतजार करती रही, लेकिन प्रेमी धोखा देकर फरार हो गया। घटना के बाबत पीड़ित प्रेमिका ने बताया कि वह एक गैरसरकारी संगठन में काम

जिस संगठन में वह काम करती है, उसी संगठन में काम करने वाला युवक बेनुधर पान (35 वर्ष), पिता स्व. रोहित दास, गुआ बाजार निवासी से पिछले दो-तीन वर्षों से प्रेम कर रही थी। बेनुधर पान शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध भी बनाता रहा। कछ दिनों से जब मैंने उस पर शादी का दबाव बनाने लगी, तो वह किनारा बनाने लगा। इस बीच मझे जानकारी मिली कि बेनुधर ने दूसरी जगह शादी करने वाला है। इसके बाद बीते 22 नवंबर को मैंने गुआ थाना में

जाकर बेनुधर के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। पुलिस ने उसी दिन बेनुधर पान को थाने में बलाया।

वहां उसने शादी करने की हामी भरी, लेकिन कहा कि वह बिना अपने परिजन के शादी नहीं करेगा। शादी के लिए दस दिन का समय दिया जाए।

पावड़ा मैदान के समीप ७ वर्ष पहले बनी थी जलमीनार, नहीं मिला कोई लाभ

60 लाख की जलमीनार से 7 दिन भी नहीं मिला पानी

RAJESH CHOUBEY @ GHATSILA प्रखंड के पावड़ा पंचायत में सात वर्ष पहले 60 लाख की लागत से बनी वृहद जलमीनार से पावड़ा गांव के लगभग 200 ग्रामीणों को सात दिन भी पानी नहीं मिला। योजना मजाक बनकर रह गई। योजना की लूट की कहानी इसी बात से पता चलता है कि संवेदक ने बिना किसी अधिकारी या पंचायत प्रतिनिधि को हैंडओवर किए योजना की सारी निकासी कर ली। आज इस जलमीनार के समक्ष बडी-बड़ी झाड़ियां-झुरमुट उग गई हैं। वहां तक जाने में भी लोगों को

जानकारी के अनुसार, पावड़ा मैदान के समीप लघु सिंचाई विभाग ने वर्ष 2016 में पेयजल स्वच्छता विभाग की ओर से नीर निर्मल परियोजना के तहत 51 लाख 58 हजार की लागत से वृहद जलमीनार का निर्माण कराया

डर लगता है।



विधानसभा में जांच की करेंगे मांग : रामदास सीरेन

पावड़ा पंचायत के तत्कालीन मुखिया बैजू मुर्मू ने कहा कि संवेदक द्वारा मुझे इस योजना का हैंडओवर नहीं किया गया। इस मामले को लेकर विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि योजना की लूट को लेकर वह इस मामले को विधानसभा में उढाएंगे और जांच की भी मांग करेंगे कि साढ लाख की योजना से कैसे ग्रामीणों को सात दिन भी पानी नहीं मिला। विभागीय कनीय अभियंता को योजना की कोई जानकारी नहीं है।

था। जलमीनार से पाइपलाइन के माध्यम से पावड़ा गांव के लगभग 178 परिवार के कुल 1200 लोगों

को पेयजल मुहैया कराना था। योजना का काम 2017 में पूरा भी हो गया और पानी की सप्लाई चालू

की गई, लेकिन सप्ताह भर भी पावड़ा के ग्रामीणों को पानी नहीं मिला। ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक द्वारा पाइपलाइन के लिए बिछाया गया पाइप जगह-जगह फटने लगा। इसके कारण ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। उस समय विभाग द्वारा यह कहा गया कि जलमीनार में जो मोटर लगा है, वह लोड नहीं ले रहा है। इसके बाद पुनः टेंडर निकालकर 8 लाख की लागत से सोलर प्लेट लगाई गई, लेकिन सोलर प्लेट लगने के बाद भी जलमीनार चालू नहीं हआ। वर्तमान में जो लोग लघु सिंचाई विभाग के आवासीय परिसर में रहते हैं, वह सभी सोलर प्लेट का उपयोग अपने क्वार्टर में कर रहे हैं। इसके बाद रांची के संवेदक जिसने इस जलमीनार का निर्माण किया था, उसका कोई पता नहीं है। योजना अब भी अधुरी

मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में दो युवक घायल



CHATRA: हंटरगंज-चतरा मुख्य पथ पर घंघरी बाजार के समीप दो बाइक के सीधी टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों की पहचान नंदू यादव के 26 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार यादव घंघरी निवासी जबिक दूसरे की पहचान गुमानी भारती का 25 वर्षीय पुत्र दीपक भारती के रूप में हुई। दुर्घटना में घायल दोनों युवकों को ग्रामीणों ने आनन फानन में हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने स्थिति नाजुक दिखते हुए चतरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक जनार्दन पासवान सदर अस्पताल पहुंचे।

कुएं से बरामद हुआ नाबालिंग का शव, लोगों ने किया सड़क जाम

AGENCY, LATEHAR लातेहार जिले में सोमवार को एक

नाबालिग छात्रा का कुएं से शव बरामद किया गया है। वह चार दिन से लापता थी। शव मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह प्रेमी से अनबन को बताया जा रहा है। मृतका के पिता का आरोप है कि उसकी बेटी की हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया है। मृतका 11वीं की छात्रा थी और 29 नवंबर से लापता थी। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, लड़की के पिता ने बताया कि रोशन उरांव नामक युवक मेरी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने रोशन को छोड़ दिया था, लेकिन सोमवार को जब लड़की का शव कुएं से बरामद हुआ, तो उसे दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने



पिता का आरोप : पुलिस ने लापता होने की सूचना पर नहीं की कारेवाई मृतका के पिता उमेश साहू ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हए कहा कि मेरी बेटी 29 नवंबर से लापता थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अगर पुलिस समय पर कदम उठाती, तो मेरी बेटी आज जिंदा होती। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया कि मृतका और रोशन के बीच प्रेम संबंध था। लेकिन हाल ही में रोशन के जीवन में एक अन्य लड़की के आने से दोनों के बीच तनाव बढ़ गया था। माना जा रहा है कि इसी तनाव के चलते नाबालिंग ने

आत्महत्या कर ली। उधर, सड़क जाम करने वालों को थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने आश्वासन दिया कि घटना में शामिल दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इसके











14:0° Sunrise Tomorrow Sunset Today Temperature 06:15 17:02



BRIEF NEWS

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा और जुर्माना

RANCHI: पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने सोमवार को नाबालिंग से दुष्कर्म करने के दोषी करार हिन्दपीढी कें मो. अली उर्फ नूर अली को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने नूर अली पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। नूर पर पड़ोसी की बेटी के साथ जंबरदस्ती करने का आरोप सिद्ध हुआ है। इस घटना को लेकर पीडिता के परिजन ने हिन्दपीढ़ी थाना में 8 जून 2022 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। नूर को 11 जून, 2022 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

गवर्नर ने जेपी नड्डा को जन्मदिन की दी बधाई

RANCHI: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी

है। साथ ही

राज्यपाल ने

सोशल मीडिया

एक्स पर सोमवार को टवीट कर नैसर्गिक सौंदर्य और अद्भुत लोक संस्कृति से समृद्ध असम राज्य के स्थापना दिवस पर सभी असमवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल ने कहा है कि हमारी कामना है कि असम निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे और यहां के नागरिकों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। दूसरीँ ओर, भाजपा के गोंड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। दुबे ने सोशल मीडियाँ एक्स पर टवीट कर कहा है कि बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की कामना करता हुं।

जन शिकायत के लिए डीसी ने जारी किया नंबर

RANCHI: रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने सोमवार को आम जनता के लिए जन शिकायत नंबर जारी किया है। जिला प्रशासन नंबर



9430328080 पर रांची वासियों से शिकायत प्राप्त करेगा। उपायुक्त तौर पर इस नंबर की पायलट उपायुक्त के आवसीय गोपनीय स्थित

सभाकक्ष से नंबर की लॉन्चिंग करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आम लोगों की संविधा और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन की ये पहल है। समय के साथ इस प्लेटफार्म के माध्यम से शिकायत प्राप्त करने और समाधान की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि घंटे क्रियाशीँल रहेगा। इस ग्रुप के अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी को नामित किया गया है। साथ ही उनके सहयोग के लिए दो अन्य पदाधिकारियों की भी

राज्य सरकार दायर कर सकती है मनी सुट

प्रतिनियुक्ति की गई है।

RANCHI: झारखंड सरकार जल्द ही केंद्र के पास एक लाख 36 हजार करोड़ के बकाए के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। कानून के जानकारों के अनसार, बकाए के लिए झारखंड सरकार मनी सूट दायर कर सकती है। यह प्रक्रिया 1908 के सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत मनी सूट दायर किया जा सकता है। दरअसल 28 नवंबर को सीएम हेमंत सोरेन ने पहली कैबिनेट में यह फैसला लिया था कि एक लाख 36 हजार करोड जो केन्द्र सरकार व केन्द्रीय उपक्रम पर बकाया है, उसकी वसली के लिए विधिक कार्रवाई शुरू किया जाएगा।

नोटिस का जवाब नहीं देने वाले 73 हॉस्पिटल्स पर गिरेगी गाज

प्राइवेट हॉस्पिटल की मनमानी पर रोक लगाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग एक्शन मोड में है। एक के बाद एक हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई भी की जा रही है। अब स्वास्थ्य विभाग पिछले दिनों 73 हॉस्पिटलों को भेजे गए नोटिस पर कार्रवाई करने जा रहा है। इसके तहत इन सभी हॉस्पिटल संचालकों को जवाब नहीं देने पर पहले सभी हॉस्पिटलों पर ५० हजार का फाइन ठोकी जाएगा। इतना ही नहीं, इसके बाद 2 लाख का जमार्ना लगाया जाएगा। विभाग से जडे अधिकारी ने बताया कि इसके बाद हॉस्पिटल को सील करने का प्रावधान है। इससे पहले हॉस्पिटल के नाम के साथ रिसर्च सेंटर लिखने को लेकर संचालकों को एक और नोटिस भेजेगा। जिसमें उनसे पूछा जाएगा कि नोटिस का जवाब क्यों नहीं दिया। बता दें कि ये सभी हॉस्पिटल विलनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत नियम का

पालन नहीं कर रहे है।

प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर कसी जाएगी नकेल, नाम के साथ रिसर्च सेंटर लिखने के मामले में विभाग ने दिखाई सखती

हेल्थ डिपार्टमेंट ने हॉस्पिटल संचालको को भेजा था नोटिस

जवाब नहीं देने पर पहले लगाया जाएगा ५० हजार का जुर्माना

अस्पताल को सील करने का भी प्रावधान

नए सिरे से कराना होगा रजिस्टेशन HOSPITAL

आयुष्मान योजना से अलग राजधानी के 73 हॉस्पिटल्स को भी नोटिस भेजा गया था। उनसे भी नाम के साथ रिसर्च सेंटर लिखने को लेकर जानकारी मांगी गई थी। विभाग के अधिकारी की मानें तो नियम के अनुसार रिसर्च नहीं करने वाले हॉस्पिटलों को अपने नाम से रिसर्च शब्द हटाना होगा। ऐसी स्थिति में उनका रजिस्ट्रेशन कैंसिल हो जाएगा। नए सिरे से नए नाम के साथ उन्हें विलनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्टेशन कराना होगा। जिससे कि हॉस्पिटल के कामकाज भी प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल आयुष्मान

आयुष्मान से जुड़े चार हॉस्पिटलो की ओर से ही दिया गया है जवाब

स्वास्थ्य विभाग ने २२ हस्पिटलों को नोटिस जारी किया था। हॉस्पिटल के संचालकों से पूछा था कि हॉस्पिटल के नाम के साथ रिंसर्च सेंटर क्यों लिखा है। साथ ही ये भी पूछा है कि अगर वहां कोई रिसर्च हो रहा है तो इसकी जानकारी दी जाए। अबतक उन्होंने क्या रिसर्च किया है ये भी बताने को कहा गया था। रिसर्च किन विषयों पर किया गया उसकी भी पूरी डिटेल्स मांगी गई थी। इसके बाद आयुष्मान से जुड़े 22 में से 4 हॉस्पिटलों ने विभाग को जानकारी दी है कि वे अपने हॉस्पिटल में रिसर्च कर रहे हैं। इसके अलावा किसी भी हॉस्पिटल ने विभाग को जानकारी नहीं दी है।



नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे पर बोर्ड ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

इधर-उधर फेंकें नहीं इलेक्ट्रॉनिक खुलासा, दो गिरफ्तार वेस्ट, सुरक्षित डिस्पोजल जरूरी

VIVEK SHARMA@RANCHI:

अगर आपका भी फोन या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खराब हो गया है और इसे फेंकने की सोच रहे हैं, तो अलर्ट हो जाएं। आपका ये कदम न केवल पृथ्वी को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी खतरनाक है। इसे रोकने के लिए झारखंड स्टेट पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड ने अच्छी पहल की है। इससे न केवल ई-वेस्ट का प्रॉपर डिस्पोजल किया जा सकेगा। बल्कि सेफ डिस्पोजल के लिए रिवार्ड भी मिलेगा। बता दें कि पॉल्यूशन कंट्रोल ने कई एजेंसियों के साथ टाई अप किया है। वहीं उनकी जानकारी भी पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड की वेबसाइट पर दी गई है। शहर के कई सरकारी ऑफिस में ई वेस्ट डिस्पोजल के लिए डस्टबिन लगाई गई है। जिसमें कोई भी व्यक्ति अपने घर या ऑफिस से निकले ई वेस्ट को जाकर डाल सकता है। इसके बाद संबंधित विभाग के लोग ई वेस्ट को लेजाकर सही तरीके से डिस्पोज करेंगे।

स्कूली बच्चों के माध्यम से लोगों को दिया जा रहा सकारात्मक संदेश

एक्सपर्ट्स बोले, अभी नहीं चेते तो भविष्य में स्थिति होगी भयावह



दीप जलाकर सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथि।

लागा स पहले करने का अपाल

पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए झारखंड स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड काम कर रहा है। कई एजेंसियां भी कैंप लगाकर इंडस्ट्रीज और लोगों को जागरूक कर रही है, ताकि पॉल्यशन को कंटोल किया जा सके। अब बोर्ड ने लोगों से इसमें सहयोग करने की अपील की है। तभी पॉल्यूशन को कंट्रोल किया जा सकेगा। अगर लोग अपने घर और ऑफिस से पॉल्यूशन कंट्रोल की पहल अभी से नहीं करते हैं तो

प्लास्टिक कंटेनर का करें बहिष्कार सिंगल युज प्लास्टिक

को लेकर दिलाई शपथ

झारखंड स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल

बीएनआर होटल में एक सेमिनार

का थीम है क्लीन एयर, ग्रीन अर्थ

स्टुडेंटस और पर्यावरण विशेषज्ञों

सेक्रेट्री आरएल बख्शी ने प्रदूषण

स्वास्थ्य पर प्रभाव पर चर्चा की।

स्टूडेंट्स ने पर्यावरण संरक्षण के

लिए अपने संकल्पों का आदान-

प्रदान किया। इस दौरान सिंगल

बायोडिग्रेडेबल वस्तुओं के उपयोग

जागरूकता फैलाने के लिए एक

थीम सॉन्ग लॉन्च किया गया।

कार्यक्रम में सभी ने सिंगल यूज

प्लास्टिक का उपयोग न करने

यूज प्लास्टिक और नॉन-

से होने वाले खतरे के प्रति

का आयोजन किया। इस साल

: ए स्टेप टुवर्डस सस्टेनेबल

लिविंग। जिसमें स्कूलों के

ने भाग लिया। बोर्ड के मेंबर

की समस्याओं और इसके

बोर्ड ने रांची के चाणेक्य

एक्सपर्टस ने कहा कि आज प्लास्टिक के कंटेनर और सिंगल यूज प्लास्टिक सबसे ज्यादा पॉल्यूशन फैला रहे हैं। ऑनलाइन फूड का चलन तेजी से बढ़ा है। प्लास्टिक के कंटेनर में खाना भेजा जा रहा है। ये लोगों की सेहत के साथ पर्यावरण के लिए भी नुकसानदायक है। इसलिए ऑनलाइन फूड देने वाले भी इसके बारे में सोचे तो पॉल्यूशन कंट्रोल करने में अहम रोल निभा सकते हैं। इको फ्रेंडली कंटेनर के लिए एक्स्ट्रा चार्ज देने में लोगों को भी नहीं हिचकिचाना चाहिए। इससे आम लोग भी पर्यावरण को बचाने में मदद कर सकते हैं। साथ की कहा कि अगर हम सिंगल युज प्लास्टिक का इस्तेमाल करना ही छोड़ दे तो ये बडा कदम साबित होगा। कपडे और पेपर बैग का उपयोग करें। जिससे पर्यावरण को भी नुकसान

रोहित हत्याकांड का



PHOTON NEWS RANCHI:

दुर्गा पूजा के दौरान रोहित तिर्की की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दो आरोपितों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते दो आरोपितों मंतोष कुमार उर्फ मंटू और आयुष राज उर्फ अंकित कुमार को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गत 11 अक्टूबर को रोहित दुर्गा पूजा घूमने के लिए गया हुआ था। पूजा के दौरान कुछ आपराधिक किस्म के यवकों से उसका विवाद हो गया। विवाद के बाद यवकों ने रोहित के साथ मारपीट की। मारपीट में रोहित बुरी तरह से जख्मी हो गया। रोहित को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। रोहित की हत्या से

आक्रोशित परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर शव के साथ लालपुर चौक को जाम कर दिया था। एसपी ने बताया कि इस संबंध में लालपुर थाना निवासी मृतक के भाई मोहित तिर्की के बयान के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने अनुसंधान में आये तथ्यों के आधार पर और तकनीकी सहयोग से पंडरा ओपी क्षेत्र के पिस्का मोड स्थित विकास नगर में छापेमारी कर मंतोष कुमार उर्फ मंट्र और आयुष राज उर्फ अंकित कुमार को गिरफ्तार किया। अन्य शामिल फरार आरोपित की गिरफ्तारी के

जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जनांदोलन अपयुक्त ने समाहरणालय 'आदिम जनजाति समाज के विकास के लिए करेगा 'गंगा समग्र', किया जाएगा जागरूक

सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषंगिक संगठन गंगा समग्र के महानगर इकाई की बैठक मनधीराम महतो की अध्यक्षता में विकास भारती कार्यालय आरोग्य भवन में हुई। बैठक का संचालन करते हुए के. जयराम ने कहा कि संगठन रांची महानगर के सभी सरोवरों, तालाबों एवं नदियों की अविरलता एवं निर्मलता के लिए जन-जागरण के माध्यम से सभी जल स्रोतों के संरक्षण के लिए शीघ्र ही जनांदोलन शुरू करेगा। झारखंड के प्रान्त संगठन मंत्री अम्बरीष ने कहा कि रांची में कई सरोवर हैं, जिन पर नगर निगम ने अच्छा काम किया है। सरोवर पक्के कराए गए हैं। पेड़-पौधों से सुसज्जित हैं लेकिन पानी काला



बदबुदार है। पालीथीन और कचरा प्रत्येक तालाब में है। उन्होंने कहा कि शहर की सांस्कृतिक पहचान बड़ा तालाब में घरों के मल-मूत्र युक्त नालियां गिर रही हैं। रांची की धरोहर स्वर्ण रेखा नदी नाला बन गई है। इक्कीसों महादेव धाम, चुटिया जाकर देखें तो नदियों की दुर्दशा

समझ में आयेगी। शहर के बड़े-बड़े दुर्गन्ध युक्त नाले सीधे नदी में गिर रहे हैं। ये जहरीला पानी न केवल जनजीवन के स्वास्थ्य को नष्ट कर रहा है, बल्कि सामान्य जीव-जंतुओं को बीमार कर रहा है। बैठक को मुख्य रूप से डॉ. रत्नेश मिश्रा, अशोक प्रधान और उदय सिंह ने भी संबोधित किया।

पारसर का किया निराक्षण

RANCHI: रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सोमवार को समाहरणालय परिसर की साफ-सफाई एवं रख-रखाव का जायजा लिया। उपायुक्त ने शौचालय की स्वच्छता. समाहरणालय प्रांगण के सुन्दरीकरण और पेयजल क्षेत्र के संफाई पर विशेष ध्यान देने को लेकर कई निर्देश दिये। उपायुक्त ने अग्निशमन और ड्रेनेज की व्यवस्था को दुरुस्त करने और समाहरणालय में सौर ऊर्जा प्रणाली के विषय में जानकारी ली। उपायुक्त ने इस दौरान सभी अंचल और प्रखंड कार्यालय में पदाधिकारियों की उपस्थिति की जानकारी गूगल लोकेशन के माध्यम से ली। उपायुक्त ने कार्यालय प्रकोष्ट में बैठक कर समाहरणालाय स्तर के सभी पदाधिकारी और कर्मचारियों के आइडेंटी कार्ड एवं कर्मियों की उपस्थिति तथा जन शिकायत कोषांग के कार्यों की जानकारी भी ली। इस मौके पर साफ-सफाई के लिए प्रतिनियुक्त नोडल पदाधिकारी मौजूद थे। सड़कों की उचित पहुंच है और न

विशेष समिति का गढन करे राज्य सरकार'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सलाह देते हुए राज्य के आदिम जनजातियों विशेषकर संथाल परगना क्षेत्र में निवास करने वाली पहाडिया समाज की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेष रूप से पहाड़िया समाज की आर्थिक और सामाजिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आज भी यह समुदाय विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है और बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इनके गांवों तक आवागमन के लिए न तो



ही इन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पाता है। उन्होंने लिखा है कि गणवत्तापर्ण शिक्षा और पीने का पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव है। कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां इनके जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। मरांडी ने कहा कि पहाडिया समाज के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ भी अधिकतर बिचौलिए हड़प लेते

हैं। उन्होंने लिखा है कि इन पहाड़ी क्षेत्रों में उनके लगातार दौरे में पहाड़िया समाज कि दयनीय स्थिति को देखकर यह साफ जाहिर होता है कि उनकी हालत बेहद चिंताजनक है। मरांडी ने लिखा है कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी आदिम जनजाति समाज कि ऐसी स्थिति राज्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेषकर पहाड़िया समाज के समग्र उत्थान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाए। समिति के जरिये किए गए सर्वेक्षण और सिफारिशों के आधार पर एक वर्ष की ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि उनकी समस्याओं का स्थायी

मौसम का मिजाज : अब लगभग गुजर चुका बंगाल की खाड़ी से उठाने वाला चक्रवात

झारखंड में अभी खत्म नहीं हुआ है 'फेंगल' तूफान का असर

PHOTON NEWS RANCHI:

चेन्नई और पुड़्चेरी के तट से टकराने के बाद बंगाल की खाड़ी से उठा ह्यफेंगलह्न चक्रवार्ती तूफान रविवार को ही कमजोर पड़ चुका है। इसने तमिलनाडु और पुडुचेरी सहित दक्षिण के लगभग सभी इलाकों में बड़ा प्रभाव डाला है। कई जगह तो बाढ़ जैसी भी स्थिति पैदा हो गई। बचाव और राहत कार्य अभी भी जारी है। इस तूफान ने झारखंड के मौसम को भी प्रभावित किया। यहां अभी भी इसका असर है। रांची मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इसके असर से झारखंड में रांची समेत विभिन्न जिलों में बादल छाए रहे थे। सोमवार को भी थोडा–थोडा इसका असर दिखा। इस तूफान की वजह से रविवार को पश्चिमी सिंहभूम में 12.0 मिमी और सिमडेगा में 2.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

छिटपुट बारिश के कारण कई जगह अधिकतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरा

🗕 रांची सहित राज्य के कई जिलों में अभी भी छाई हुई है घुंध

• कल से कोहरा छंटने के बाद



फिर होगी कहीं कहीं बुंदाबांदी

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, राजधानी रांची समेत झारखंड में मंगलवार तक हल्के बादल छाए

रहेंगे। सुबह में धुंध भी रहेगी। दिन में बादल छाए रहने और पश्चिम से ठंडी हवा आने से ठंड लगेगी और पारा सामान्य के करीब रहेगा। कोल्हान में घने बादल छाए रहेंगे और पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

झारखंड में चार दिसंबर से बादल

छंटने के साथ ही ठंड बढ़ जाएगी।

अभी दो दिनों तक प्रभाव रहने की संभावना

तफान के प्रभाव स्वरूप अगले दो दिन झारखंड के विभिन्न जिलों में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने बताया है कि बारिश से कोल्हान के विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य से तीन डिग्री अधिकतम तापमान गिर गया है। जमशेदपुर का अधिकतम 25.1 और न्यूनतम तापमान 18.0 डिग्री रहा। राज्य के विभिन्न जिलों का न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक बढ़ गया है। कोल्हान में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान सरायकेला का १८.६ डिग्री, सिमडेगा का 17.5, पश्चिम सिंहभूम का १६.९ और खूंटी का १६.६ डिग्री दर्ज किया गया।

पश्चिम बंगाल से परीक्षा देने रांची आई छात्रा के साथ होटल में छेड़खानी

RANCHI: पश्चिम बंगाल से परीक्षा देने आयी नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेडखानी का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। घटना रांची के कटहल मोड़ स्थित एक होटल की है, जहां बदमाशों ने कमरे में घुसकर लडकी के साथ छेडखानी की। इस मामले में छात्रा के पिता ने नगड़ी थाना में मालदा के शुभेंदु मंडल, शांतनु मंडल, तमिलनाडु के अभिषेक दत्ता, अर्कापराव दत्ता और सोमनाथ शर्मा पर केस किया है। उनका आरोप है कि लड़कों ने उनकी बेटी की आपत्तिजनक तस्वीर खींची और उसे ब्लैकमेल किया। जानकारी के अनुसार, छात्रा कटहल मोड़ के काव्यन रेसीडेंसी में टहरी थी। वह आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में परीक्षा देने आयी थी। रात में जब पिता खाना खाकर लौटे तो वह उनसे लिपटकर रोने लगे। यह घटना १६ सितंबर की है। इस मामले में करीब ढाई महीने बाद २९ नवंबर को प्राथमिकी दर्ज की गयी है। थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि पूरे मामले की गहन

जांच–पड़ताल की जा रही है।

सीएम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने की मुलाकात



PHOTON NEWS RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को

रांची के कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने मुलाकात की। इस दौरान सोरेन को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री से कई सामाजिक संगठन के लोगों ने भी मुलाकात की तथा उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति आभार

व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में केंद्रीय सरना समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने खुशी के इजहार करते हुए झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राजनगर में युवती के मिले शव की हुई पहचान, प्रेमी ने की हत्या

आदित्यपुर की रहने वाली थी संजना, आरोपी को किया गया गिरफ्तार

शव मिलने के बाद पुलिस शव

की पहचान करने में जुट गई

थी। इधर, खबर फैलते हुए

संजना के परिजनों तक पहुंची

जिसके बाद परिजनों ने संजना

के शव की पहचान की। पुलिस

ने जब परिजनों से पूछताछ की

तो संजना की फुफेरी बहन ने

सारी बात पुलिस को बताई।

फुफेरी बहन ने बताया कि

बुधवार शाम 6 बजे संजना

प्रेमी से मिलने की बात कह

कर घर से निकली थी, जिसके

बाद वह वापस नहीं लौटी। वह

काफी डर गई थी। इसके बाद

पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में

लेकर पूछताछ की। कड़ाई से

पूछताछ करने पर प्रेमी ने हत्या

की बात स्वीकार की।

PHOTON NEWS SARAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना अंतर्गत राधास्वामी सत्संग आश्रम के पास खरकई नदी के किनारे बीते दिनों एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। युवती के सिर को पत्थर से कुचकर मारा गया था। इधर, पुलिस ने युवती की पहचान करते हुए हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने इस मामले में युवती के प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। युवती की पहचान जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिरुडीह की रहने वाली 19 वर्षीय संजना हांसदा के रुप में की गई। संजना बुधवार शाम अपने प्रेमी से मिलने गई थी. लेकिन देर रात वह घर नहीं लौटी। गुरुवार तड़के सुबह पुलिस ने युवती का पत्थर से



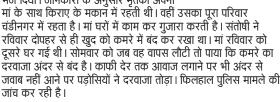
संजना की फाडल फोटो

शादी के लिए बना रही थी दबाव

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रेमी ने पुलिस को बताया कि संजना शादी का दबाव बना रही थी। घटना के दिन उसे मिलने के लिए बुलाया था। इसके बाद उसे बाइक से खरकई नदी के किनारे ले गया। जहां उसकी हत्या करने के बाद चेहरे को पास ही सीमेंट के पिलर से कूच दिया। घटना को अंजाम देने के बाद वह मौके से फरार हो गया।

सीतारामडेरा में फंदे पर लटकी मिली युवती की लाश

JAMSHEDPUR: सीतारामडेरा थाना अंतर्गत किशोरी नगर निवासी २२ वर्षीय संतोषी कुमारी का घर में फंदे पर लटका शव मिला है। बताया जाता है कि उसने कमरा बंद करके फंदा लगा लिया था। सोमवार सुबह पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया और शव को फंदे से उतारा गया। घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मृतका अपनी



मां घरों में करती है काम, पिता की हो चुकी है मौत

संजना के पिता की सालों पहले मौत हो चुकी है। संजना चार भाई-बहनों में एक थी। वहीं संजना की मां घरों में काम कर जीवन-यापन करती थी। इधर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं प्रेमी से पुछताछ भी की जा रही है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, घायल

JAMSHEDPUR : शहर से सटे सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी अंतर्गत तामोतिया के समीप सोमवार शाम नगर में रहने वाले मोहम्मद अरमाद (25) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को ब्रह्मानंद अस्पतात पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, कार में चार यवक सवार थे। चारों युवक मौका देखकर भागने में सफल रहे। सूचना पर पहुंची कपाली ओपी पुलिस ने कार और बाइक को जब्त कर लिया है।

इस घटना में एक मकान भी क्षतिग्रस्त हुआ है। बताया जा रहा है कि कार सवार ने बाइक को टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश की। इसी क्रम में कार चालक ने कार को घटनास्थल के समीप एक मकान में घुसा दिया, जिससे मकान का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। फिलहाल पुलिस मामले की

स्वर्णरेखा नदी से मिला युवक का शव, हत्या की आशंका



स्वर्णरेखा नदी के किनारे लाश को देखने के लिए जुटी भीड़

JAMSHEDPUR : भुइयांडीह में स्वर्णरेखा नदी से एक युवक का शव मिला है। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित इंद्रानगर में मुगार्पाड़ा के पास मिले शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। स्वर्णरेखा नदी से एक अज्ञात युवक का शव मिलने की खबर से सनसनी फैल गई है।

स्थानीय निवासियों ने सबसे पहले शव को नदी में देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शव लगभग दो से तीन

जुगसलाई से बाइक चोर गिरोह के तीन

दिन पुराना है। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से 30 रुपये मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष है और उसके बाएं हाथ पर शंकर भगवान का टैटू बना हुआ है, जिसके आधार पर उसकी शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है।

शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि यवक की हत्या कर शव को नदी में फेंका गया होगा। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है और मृतक की पहचान होने के बाद ही घटना के पीछे का सच सामने

समाचार सार

मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति के लिए छात्र चयनित

GHATSILA: मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना-2024 में राज्य से 2695 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है, जिसमें 125 छात्र-छात्राएं पूर्वी सिंहभूम



प्रखंड से 8 छात्रों का चयन

को विद्यालय परिसर में सम्मानित किया गया। चयनित विद्यार्थियों में धर्मवीर सिंह, अर्पिता बधुक, अर्पिता पाल, अंकित कुमार साह, सुजान गिरि व किशन बिषई मॉडल स्कूल के शामिल हैं। ऑक्सफोर्ड कान्वेंट स्कूल प्रबंधन द्वारा सफल छात्रों को पुरस्कृत करने के बाद विद्यालय प्रबंधन की सचिव शिल्पी सरकार व रेक्टर सुभाषित भगत ने सभी बच्चों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में दोनों स्कूल के शिक्षक उपस्थित थे।

शिक्षा संकाय के छात्रों ने पूरा किया सर्वेक्षण



चाकुलिया प्रखंड के विभिन्न गांव में जाकर 3-16 वर्ष के बच्चों में पठन-पाठन के स्तर का मृल्यांकन किया। प्राचार्य डॉ. बालकृष्ण बेहरा ने बताया कि सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025 में दिल्ली में प्रसारित किया जाएगा। विभागाध्यक्ष सह नोडल ऑफिसर डॉ. जितेंद्र कुमार ने कहा कि यह सर्वेक्षण बीएड के विद्यार्थियों को भविष्य में रिसर्च करने एवं अपने कॅरियर को नई ऊंचाई देने में सहायक होगा। प्राचार्य व विभागाध्यक्ष के अलावा एएसआर के प्रशिक्षक अमरेंद्र प्रधान व ललित नायक की उपस्थिति में प्रमाणपत्र भी वितरण किया गया।

कदमा में ओपन सिट एंड ड्रा कंपटीशन 7 को



चतुर्थ ओपन झारखंड सिट एंड ड्रा कंपटीशन 7 दिसंबर को कदमा स्थित केरला पब्लिक स्कल परिसर में किया जाएगा। उसी दिन स्कूल परिसर में सरकार

योगा एकेडमी ने ऑसम योग एकेडमी के साथ संयक्त रूप से 'पंचम ओपन इंटर स्कल योग चैंपियनशिप का भी आयोजन होगा। इस संबंध में एकेडमी के संस्थापक योगगुरु अंशु सरकार ने बताया कि प्रतियोगिता में चार वर्ष से ऊपर के कुल 11 ग्रुप होंगे।

विवज के विजेता किए गए पुरस्कृत

CHAIBASA: राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित



क्विज में सफल विद्यार्थियों को सिविल सर्जन डॉ. कुमार माझी ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में टाटा कॉलेज के कुल 69 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सफल छात्रों में बीए फर्स्ट सेमेस्टर से सलोमी प्रभा देवगम, सानिया कच्छप, मुनु मुंडारी, समीर पाड़ेया, बिशु माझी, संदु बानरा, सुनू कायम, व अंकित सिंकू, बीए सेकेंड सेमेस्टर से मुस्कान होनहगा, संदीप खलखो, थर्ड सेमेस्टर से निखिल कुदादा व उज्वल मिंज शामिल थे।

फाइनल में स्टूडेंट क्लब बना चैंपियन

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा बी-



डिविजन लीग के अंतर्गत सोमवार को खेले गए फाइनल मैच में स्टूडेंट क्लब चाईबासा ने एसआर रुंगटा ग्रुप को 29 रनों से पराजित कर न सिर्फ बी-डिविजन का विजेता बनने का गौरव हासिल किया, बल्कि

अगले सत्र से ए-डिविजन में खेलने की पात्रता भी हासिल कर ली।

लोको पायलटों ने किया धरना-प्रदर्शन

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में रनिंग स्टाफ ने सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के बैनर तले प्रदर्शन में 25 प्रतिशत रनिंग

लाउंस बढ़ाने की मांग की गई। चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित क्रू एंड गार्ड लॉबी के समक्ष हुए धरना में बड़ी संख्या में लोको पायलट शामिल थे।

मानगो में हटाया गया सड़क के किनारे से अतिक्रमण

JAMSHEDPUR : मानगो को ट्रैफिक जाम से मक्त करने के लिए जिला प्रशासन ने सोमवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया, जिसमें सड़क किनारे लगी अस्थायी दुकानें व स्थायी दुकानों के एक्सटेंशन को हटाया गया। डिमना चौक से मानगो चौक और मानगो पुल क्रॉस करने में लोगों को आ रही समस्या को देखते हुए उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक ने दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस बल की प्रतिनियुक्त किए थे। इस दौरान सड़क किनारे अस्थाई रूप से घेरा बनाकर बैठने वाले सब्जी विक्रेताओं व अन्य दुकानदारों से सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया गया इसके साथ ही सख्त चेतावनी दी गई कि जानमाल की सुरक्षा को देखते हुए खुले स्थान पर दुकान



अतिक्रमण हटाता दुकानदार

लेकर दुकान नहीं लगाएं। इससे जाम की भी समस्या बनी रहती है। दोबारा अतिक्रमण करने पर विधि सम्मत कार्रवाई की चेतावनी दी गई। दंडाधिकारी के रूप में मानगो नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त आकिब जावेद व अरविंद अग्रवाल की देखरेख में पुरा अतिक्रमण हटाओ अभियान संचालित किया गया। इस मौके पर मानगो व आजादनगर थाना के पुलिस पदाधिकारी व पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

सब्जी दुकानदारों की वजह से नहीं लगता जाम : सरयू राय

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि यह धारणा गलत है कि सडक किनारे सब्जी बेचने वालों के कारण मानगो में जाम लगता है। मानगो के जाम का इनसे कोई संबंध नहीं है। यदि प्रशासन सड़क पर से अतिक्रमण हटाना चाहता है तो सबसे पहले न्यू पुरूलिया रोड पर गांधी कार्यालय को हटाए। उस कार्यालय के आसपास बने कई अवैध निर्माण हैं, उन्हें हटाए। गरीब सब्जी बिकेताओं को बलि का बकरा बनान कहीं से उचित नहीं है। मानगो को सब्जी बेचने-खरीदने के लिए एक सही स्थान की जरूरत है. जिसकी व्यवस्था प्रशासन को करनी चाहिए

उपायुक्त इस मामले को गंभीरता से लें। राय ने कहा कि प्रशासन मानगो में डिमना रोड किनारे सड़क पर सब्जी बेचने वालों को हटाने के पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करे। यदि उन्हें हटाना है तो उन्हें डिमना रोड के बीच में स्थान दे। बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए इन्हें हटाने से ताजा सब्जी खरीदने वालों को भी

सदस्य गिरफ्तार, पांच वाहन बरामद

जुगसलाई थाना की पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीन स्कूटी और दो बाइक बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जुगसलाई एमई स्कूल रोड निवासी गौरव कुमार साह, हरिकांत साह उर्फ नागू उर्फ गोरा बिल्ला और मोहित लाल शामिल हैं। सोमवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने मामले का खुलासा किया।

स्कूटी चोरी कर घूम रहे थे चोर : सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि रविवार देर सहम गणगौर स्वीट्स के पास से संतोष कमार रजक की स्कटी चोरी हो गई थी। इस संबंध में संतोष ने थाने



झाड़ियों से बरामद किए गए चीरी के वाहन पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चुराए गए वाहनों को झाड़ियों में छिपा देते हैं। ग्राहक मिलने पर उसे बेच दिया जाता था। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो स्कूटी और दो बाइक को बाल्टी फैक्ट्री के पास झाड़ियों से बरामद किया गया। फिलहाल सभी को जेल भेज दिया गया है।

में शिकायत की थी। शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियान चलाया। अभियान के तहत बाटा चौक के पास स्कूटी स्वीकार कर ली।

को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने जब चोरों से कडाई से पछताछ की, तो सभी ने चोरी की बात

वार्ता के बाद समाप्त हुआ यूसिल के ठेका मजदूरों का आंदोलन

प्रबंधन ने दिया लिखित आश्वासन, 16 से सभी को दिया जाएगा

कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यसिल) की बागजाता माइंस में काफी दिनों से ठेका मजदूर आंदोलनरत थे। सोमवार को यसिल प्रबंधन के साथ वार्ता के बाद उन्होंने 16 दिसंबर तक के लिए आंदोलन स्थगित कर दिया। वार्ता में शामिल पूर्व जिला पार्षद बुद्धेश्वर मुर्मू ने बताया कि बागजाता माइंस के रेज समूह के मजदूर 8 माह से बंद अपने रोजगार की मांग को लेकर 2 दिसंबर से चक्का जाम और 3 दिसंबर से अनिश्चितकालीन बंदी करने वाले थे। सोमवार सबह 7 बजे से मजदूरों ने मदनटोला और बाकड़ा के बीच सड़क जाम कर दिया था। सड़क जाम के दौरान उन्होंने सुबह की पाली के मजदूरों



समझौता पत्र दिखाते युनियन के सदस्य



को ले जा रही बस को रोक दिया। बस में बैठे मजदुर घंटों सड़क पर ही फंसे रहे। बाद में जाम स्थल से माइंस परिसर तक बस से उतर कर मजदर पैदल माइंस परिसर तक गए और ड्यूटी की। इसकी सूचना मिलने पर यूसिल के महा प्रबंधक (खान) मनोरंजन महाली ने अपर प्रबंधक कार्मिक टी. भट्टाचार्य को भेजकर दोपहर 12 बजे बागजाता

माइंस परिसर में आंदोलनरत मजदुरों के साथ वार्ता की। इसमें प्रबंधन ने लिखित आश्वासन दिया कि 15 दिसंबर तक टेंडर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और अगले दिन से सभी 41 मजदुरों को कार्य पर बहाल कर लिया जाएगा। मजदुरों ने कहा कि इसके बाद प्रबंधन कोई दुसरा बहाना बनाता है, तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

१० सूत्री मांगों को लेकर मजदूरों ने किया प्रदर्शन



CHAIBASA : झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के बैनर तले मजदूरों ने 10 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को सेल की गुआ खदान के जनरल आफिस में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रबंधन विरोधी नारे भी लगाए गए। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडेय ने किया। प्रदर्शन के बाद गुआ यूनिट के पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपां गया। संघ ने प्रबंधन मेघाहातुबुरु स्थित मेघालया गेस्ट

के सामने जो मांगे रखी हैं। उसमें समान काम–समान वेतन बायोमीट्रिक हाजिरी सिस्टम को खदान में लाग नहीं करने, सेल के हाउस में 17 जुलाई को हुई त्रिपक्षीय वर्ता में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, प्रबंधन की ओर से सेल-बोकारो के उच्च अधिकारी, सेल–गआ अयस्क खान के अधिकारी एवं संयुक्त यूनियन गुआ, जनप्रतिनिधियों तथा मानकी-मुंडा उपास्थित थे।

एमजीएम के मरीज नए अस्पताल में होंगे शिफ्ट



बैठक करते एडीएम अनिकेत सचान व अन्य

JAMSHEDPUR : साकची स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज-अस्पताल के पुराने भवनों को तोड़कर नए सिरे से निर्माण किया जा रहा है। इसे लेकर आ रही परेशानी को लेकर सोमवार को जिला प्रशासन के नेतृत्व में एक बैठक की गई। इसमें एडीएम अनिकेत सचान, एमजीएम अधीक्षक डॉ. शिखा रानी. उपाधीक्षक डॉ. नकुल प्रसाद चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल, आरसीएच पदाधिकारी डॉ.

• फोटोन न्यूज रंजीत पांडा, भवन व पेयजल विभाग के पदाधिकारी शामिल थे। बैठक में नए अस्पताल के निर्माण कार्य में आ रही बाधा को दूर करने पर विचार किया गया। दरअसल, साकची स्थित एमजीएम अस्पताल में संचालित भवनों को तोड़ा जाना है, लेकिन मरीजों की भर्ती होने के कारण परेशानी हो रही है। इसे देखते हुए निर्णय लिया गया कि सभी मरीजों को डिमना चौक स्थित एमजीएम के नए अस्पताल में भेजा जाएगा लेकिन वहां पानी की

व्यवस्था नहीं है।

खबर का इंपैक्ट

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन, 10 दिनों में कुलपति को सौंपेगी जांच रिपोर्ट

बीएड एडमिशन के मामले में तीन शिक्षकों व क्लर्क को शोकॉज

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर वीमेंस युनिवर्सिटी में आरक्षण की अनदेखी कर बीएड में एडमिशन से संबंधित खबर '**द फोटोन न्यूज**' में प्रकाशित होने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बीएड एडमिशन कमेटी में शामिल तीन शिक्षिकाओं और एक क्लर्क को शोकॉज किया है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गढन किया गया है, जो पूरे मामले की जांच करेगी। ज्ञात हो कि

इस आशय की खबर रविवार

को ही प्रकाशित हुई थी।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में बीएड नामांकन में धांधली का आरोप लाखों रुपये रिश्वत लेकर बेच दी गई कोटे की सीट, विवि प्रशासन खुलेआम आरक्षण के नियमों के साथ कर रहा खिलवाड़

SIEUDICATI DA CHERE UZ LE CALLE LA CALL

दो दिन में जवाब तलब

जानकारी के अनुसार मामला संज्ञान में आने के बाद यूनिवर्सिटी की कुलपति ने एडिमशन कमेटी की कन्वेनर डॉ. कामिनी से इस संबंध में पूछताछ की। जानकारी लेने के बाद उन्होंने डॉ. कामिनी को आवश्यक कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। उस पर अमल करते हुए डॉ. कामिनी ने एडिमशन कमेटी में शामिल शिक्षिका नेहा मिंज, सुधा दीप व एक अन्य तथा क्लर्क विश्वनाथ राव को शोकॉज किया है। तीनों शिक्षकओं और क्लर्क से दो दिन में जवाब तलब किया गया है।

प्रॉक्टर बने कन्वेनर

दूसरी ओर इस मामले में एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गटन किया गया है। कमेटी के कन्वेनर यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर डॉ . सुधीर कुमार साहू बनाए गए हैं। इनके अलावा कमेटी में अन्य शिक्षकों को भी शामिल किया गया है, इसमें कुछ कॉन्ट्रेक़्अल टीचर भी शामिल हैं। यह कमेटी 10 दिनों में पूरे मामले की जांच कर कुलपति

कमेटी पर सवाल

कुछ अभिभावकों एवं छात्राओं ने एडिमशन से लेकर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी तक पर सवाल उढाने शुरू कर दिए हैं। इसकी वजह कमेटी में कांट्रेक़ुअल टीचरों को शामिल किया जाना है। उनका कहना है कि इतने बड़े मामले की जांच में कॉन्ट्रैक़ुअल टीचर्स को शामिल किया जाना कहीं से उचित नहीं है। यूनिवर्सिटी में इतने परमानेंट शिक्षक तो हैं ही, जिन्हें इस कमेटी में शामिल किया जा सकता था, लेकिन एडमिशन से लेकर फैक्ट फाइंडिंग तक की जिम्मेदारी कॉन्ट्रैक़ुअल टीचर्स को क्यों दी जा रही है।

बीसी-२ की पांच सीटों का क्या हुआ? इसके बाद से बीसी-2 कैटेगरी की

उम्मीदवार छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने यूनिवर्सिटी में हंगामा मचाया था। उनका कहना है कि इस कैटेगरी की पांच सीटों का क्या हुआ। यूनिवर्सिटी प्रशासन के पास इसका जेवाब नहीं है।

सीट बेचने का आरोप

दूसरी ओर विश्वविद्यालय सत्रों का कहना है कि रोस्टर की अनदेखी के साथ ही, एडमिशन में अच्छी-खासी रकम का लेनदेन भी हुआ है। यही वजह है कि बीसी–1 और बीसी–2 की सीटों को मर्ज कर दिया गया है। शोकॉज एवं फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के गढन एवं इसमें शामिल टीचर्स के संबंध में जानकारी लेने के लिए यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर सह प्रवक्ता डॉ सुधीर कुमार साहू से उनके मोबाइल फोन पर बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

क्या है मामला बता दें कि चार राउंड की काउंसिलिंग के बाद भी बीएड की

सीट खाली रह जाने के बाद पांचवें राउंड में ओपन काउंसिलिंग हुई थी। इस राउंड में जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में जेनरल व अन्य कैंटेगरी के अलावा ओबीसी कोटा के तहत बीसी-1 की दो और बीसी-2 की पांच सीट खाली थी इसी के अनुसार जेसीईसीईबी की ओर से इन दोनों कैटेगरी की कुल सात सीटों पर एडिमशन के लिए यूनिवर्सिटी को रोस्टर उपलब्ध कराया गया था। बावजूद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसकी अनदेखी करते हुए इस कैटेगरी में छह सीट के लिए ही उम्मीदवारों की सूची जारी की। सूची में शामिल संभी छह उम्मीदवार ओबीसी कैटेगरी के हैं। सूची में बीसी-1 और बीसी–2 का उल्लेख ही नहीं है। इस तरह इन दोनों कैटेगरी को

मर्ज कर दिया गया है।



टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पुसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेन और एसेसरीन से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

जंक ज्वैलरी: सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड़स भी टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेट या एक कान में इयरिंग

बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिग्स और **बेल्टर्स**ः लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के

 मोबाइल फोन : लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढाते हैं।

> फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिग लुक में हैं।

लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।



फैशन की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे जो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां–बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल

खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जातें हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समां सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर 🏻 फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

ताजगी भरा अहसास

भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और

जायका वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

पालक पनीर



सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर-200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच (डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंटल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नींबू का रस मिला दीजिये।

ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने

बार शादियों में आपको दिखाई देने

वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।

वाले नए ट्रेंड पर : मेरा वाला पिंक चाहिए!: पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती

का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया

घेर वाले परिधान: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कृर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हए खुला छोड दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे। फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली कट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।



ा खूबसूरत बनाएं

घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।

रग-बिरगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।



प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़िकयों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा



गदलाट ग्रह्मार्न

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग ८.५ लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग २८ करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

•रत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पुरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के



अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक की बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को

नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा।

सहकारी क्षेत्र पर आधिरत आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबिक अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सिक्रय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबिक ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबादीं को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में कर्वाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गित दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज आफ डूइंग बिजिनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं।

विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानुनी में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्रसहकारिता से विकासह्न का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

संपादकीय

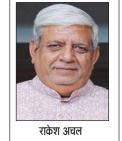
'महायुति' में जोरआजमाइश

महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसम्बर को होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। 23 नवम्बर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के इतने दिनों बाद अभी तक नये मुख्यमंत्री के शपथ न ले सकने पर अटकलबाजियों का बाजार भी गरम है। हालांकि इतना तय है कि मुख्यमंत्री भाजपा का होगा और देवेंद्र फड़ण़वीस मुख्यमंत्री की दौड़ में आगे चल रहे हैं। इस बीच, कार्यकारी मुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे) के नेता एकनाथ शिंदे के अचानक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अपने पैतृक गांव चले जाने से यह भी लगता है कि महायुति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। महायुति के घटक दल भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के बीच बताया जाता है कि भाजपा को मुख्यमंत्री पद और उपमुख्यमंत्री के दो पद, जिनमें से एक-एक पद शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को दिए जाने पर मुहर लग चुकी है। तो शिंदे का एकाएक अपने गांव चले जाने को क्या समझा जाए? दरअसल, संख्या बल के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद पर शिंदे दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि उनके पक्ष के कुछ विधायकों ने यह कहकर मामले को गरमाने की कोशिश जरूर की कि चुनाव उनके चेहरे पर लंडा गया था और उनकी कुछ योजनाओं ने मतदाताओं को खासा प्रभावित किया जिससे महायृति के पक्ष में जनादेश आया। यह भी कहलवाया गया कि मुख्यमंत्री पद पर ओबीसी को लाया जाए। ढ़ाई-ढ़ाई साल मुख्यमंत्री पद पर रहने का प्रस्ताव भी शिंदे के एक विधायक ने रखा था। लेकिन शिंदे को इतना साफ हो गया है कि भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद से नहीं नवाजने वाली। उस सुरत में तो कतई नहीं जब अजित पवार के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा जुटाने की स्थिति में है। दरअसल, शिंदे की कोशिश है कि मुख्यमंत्री पद नहीं तो कुछ महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों पर काबिज हुआ जाए। इससे एक तो उन्हें अपने दल को एकजुट बनाए रखने में मदद मिलेगी और दूसरे, अपने मतदाता वर्ग को भी अपने साथ जोड़े रखने में मदद मिलेगी। शिवसेना (उद्भव) से भविष्य में मिल सकने वाली चुनौती से निश्चिंत होने के लिए शिंदे के लिए जरूरी है कि अपने मतदाता वर्ग और विधायकों को एकजुट रखते हुए अपनी पार्टी को मजबूत बनाए रखें। बहरहाल, शिंदे के सामने ज्यादा विकल्प नहीं हैं। भाजपा के पास सीएम पद रहना तय है। शिवसेना और एनसीपी (अजित) से 1-1 ड़िप्टी सीएम हो सकते हैं। इस बीच, घटक दलों में जोरआजमाइश जारी रहेगी।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाडू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाडू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।



दव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं, लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय संविधान की तरह लचीली है। डॉ भगवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का। अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है

संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्स्क हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फिक्र रहती है। आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया है कि हर कोई कम से कम ३ बच्चे तो पैदा करें ही, अन्यथा उनका वजूद मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है। देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की सख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये

मोहन की भागवत का नया अध्याय बच्चे बढ़ाओ

बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं?

गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खडे हए । वे तीन क्या ,एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो. हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है। सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं? नहीं हैं। वे पशु चिकित्स्क हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है। देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी ,जो भविष्य में घटना नहीं है ,भले ही देश की प्रजनन दर घटकर २ प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढाने की फिक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है । भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन ,यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का

काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही ,कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है ,यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते । शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है,न रहने को घर ,चिकित्सा ,शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शरू कर दी तो ये मुफ्तखोरों की

तादाद और नहीं बढ़ा देंगे ! देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दनिया की कल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकत्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में



बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं। मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मैं डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता,मेरी हैसियत भी नहीं चुनौती देने की । लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मै भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मिश्वरे के बारे में मै तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है ,लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं ,वे सोचें ,समझें और खद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ ,अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमिकन है उस कतार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

बरेली पुल हादसाः लापरवाही कहें या हत्या



कुमार समीर

गल मैप्स हर किसी के जीवन का हिस्सा बन चुका है। एक स्थान से दूसरे गंतव्य तक पहुंचने के लिए इसका जम कर इसका इस्तेमाल हो रहा है। करोड़ों भारतीय रोजाना सफर करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे उन्हें अपनी यात्रा प्लान करने में मदद मिलती है। इसमें सड़कें, मोड़, लेन की जानकारी शामिल होती हैं। यह भी सच है कि आज की तारीख में गूगल मैप्स नेविगेशन के क्षेत्र में लीडर की भूमिका में है। लोगों की इस पर निर्भरता किस हद तक बढ़ गई है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अगर आपकी, हमारी बिटिया देर रात भी कैब से एयरपोर्ट, स्टेशन जा रही है, या वहां से घर आ रही हैङ्क तो सुरक्षा के ख्याल से रिसीव करने या सीआफ करने की भी जरूरत नहीं है। घर बैठे ही उसकी लोकेशन ट्रैक की जा सकती है, और यह सुविधा तब तक रहती है, जब तक वह गंतव्य तक सुरक्षित नहीं पहुंच जाती। सुरक्षा की दृष्टि से यह बड़ी बात है, और जो भी इसका इस्तेमाल करते हैं, वे सफर आसान हो जाने के लिए गुगल को धन्यवाद देते भी नहीं थकते।

लैकिन पिछले दिनों बरेली में एक हादसे से सब कुछ उल्टा हो गया है। सुरक्षा को लेकर ही गूगल मैप्स ऐप पर सवाल खड़ा किया जाने लगा है। पूछा जा रहा है कि गूगल मैप्स ने टूटे पुल वाला रास्ता क्यों दिखाया? हालांकि इसमें भी दो राय नहीं कि हादसे के बाद प्रथम दृष्ट्या कोई भी यही सवाल करेगा। कई लोग तो तर्क देते हैं कि गूगल मैप्स बरेली में त्रासदी को टाल सकता था। यह गूगल मैप्स की लापरवाही है, जो यूजर्स डेटा की बड़ी मात्रा एकत्र करता है। पुल एक साल पहले ही गिर गया था, जिसका मतलब है कि इस अवधि के दौरान किसी भी यूजर ने उस सड़क का उपयोग नहीं किया। अगर यह मामला है तो सबसे बड़ा सवाल है कि गूगल मैप्स एक सड़क की सिफारिश कैसे कर सकता है, जिसका इस्तेमाल एक साल से ज्यादा समय से नहीं हुआ है?

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मिशन के प्रमुख अमित यादव का कहना है कि इस विसंगति को गूगल मैप्स के एल्गोरिदम द्वारा चिह्नित किया जाना चाहिए था, जिससे संभावित रूप से जीवन बच सकते थे, लेकिन जब इस मामले की तह में जाएंगे तब पता चलेगा कि सबसे बड़ा जिम्मेदार, गुनहगार कौन है बरेली में हुए दर्दनाक हादसे के लिए।

हमें समझना होगा कि आखिर, गूगल मैप कैसे रास्ता दिखाता है, कहां-कहां से डाटा इकट्ठा करके रास्ता बताने का काम करता है, और कब इसके फेल होने का खतरा रहता है? बता दें कि गूगल अपनी मैप सर्विस के लिए कई तरह से डाटा जटाता है. और इसके आधार पर रास्ता बताता है। सबसे पहले सैटेलाइट इमेज के जरिए रूट की तस्वीर तैयार करता है। इसे तैयार करने में गूगल एरियल फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल करता है। ट्रैफिक सिग्नल कैमरा, जीपीएस, यूजर इनपुट और स्ट्रीट मैप के जरिए गूगल डाटा तैयार करता है। इसके बाद गूगल की मैप सर्विस सारे इनपुट के साथ रियल टाइम डाटा की एनालिसिस करती है, और इसके आधार पर गूगल रास्ता दिखाता है। गूगल मैप जीपीएस सिस्टम के जरिए यूजर की लोकेशन और मंजिल के बीच का रास्ता बताता है। मोड से पहले वॉयस के जरिए यूजर्स को अलर्ट भी भेजता है। यह सब कुछ इसलिए संभव हो जाता है क्योंकि गूगल कई तरह से डाटा इकट्ठा करता है। सड़क की क्या स्थिति है, यह स्ट्रीट व्यू के जरिए पता चलती है। स्ट्रीट व्यू के लिए वो कैमरे जिम्मेदार होते हैं, जो गूगल को मौजूदा हालात की जानकारी देते हैं। इनके जरिए ही गूगल तक सड़कों की 360 डिग्री तस्वीर पहुंचती है। इन सबकी प्रॉसेसिंग के बाद ही गूगल मैप के जरिए आप तक जानकारी पहुंचाता है।

अब घटना स्थल की बात करें तो जिस पुल पर यह हादसा हुआ उसकी अप्रोच रोड करीब साल भर पहले ही बाढ़ में बह गई थी। दरअसल, बदायूं जिला दातागंज से बरेली जनपद के फरीदपुर को जोड़ने के लिए एक पुल का निर्माण कराया गया था। पुल 2021-22 में बन कर तैयार हुआ था और 2022 में पुल पर वाहन दौड़ने लगे थे। कुछ महीने बाद ही बाढ़ आई



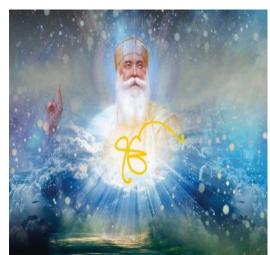
और 2023 जुलाई में पुल की अप्रोच रोड पूरी तरह से बह गई। अधूरे पुल पर जाने से ही गत रिववार सुबह कार पुल से नीचे नदी में गिर गई और 3 लोगों की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की बड़ी लापरवाही झलकती है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने पुल की अप्रोच रोड बहने के बावजूद पुल के दोनों ओर कोई भी अवरोध, बैरिकेड नहीं किया। इस वजह से दर्दनाक हादसे में 3 लोगो की जान चली गई। दोनों ओर बैरिकेड होता तो हादसा नहीं होता। कैमरे से गूगल को टूटे हुए पुल की जानकारी मिल जाती। पीडब्ल्यूडी द्वारा जान बूझकर पुल के दोनों किनारों पर मजबूत बैरिकेडिंगङ्क अवरोध, रिफ्लेक्टर बोर्ड नहीं लगाया गया था। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

UNIVERSE: We are all human, only human

Guru Nanak's profound message, 'Ek Onkar', is simple to understand. It is the assertion of the oneness of God, which underscores the unity of all creation and reminds us of our shared existence beyond divisions of race, religion, caste, creed, or status. When we look at the divisiveness caused by "My God, your God", we have just to remember that there is one God, and we use many names for Him. Indeed, recognising humanity as one is fundamental to our being.

The modern world has made intercontinental travel easy enough, and as we see different parts of the world, we notice the similarities in human experience. We could focus on superficial differences, but we must resist the temptation and seek commonalities. We saw an architectural expression of this during a trip to Kazan, Tatarstan, Russia. The Universal Temple, or Temple of All Religions, built by Ildar Khanov, a local artist, had religious architectural elements from 16 faiths. The visually arresting diversity in the same building was uplifting. Other trips gave us different insights.In Guru Granth Sahib,



Bhagat Kabir says, "Awwal Allah Noor Upaya, Kudrat Ke Sab Bandey/Ek Noor Te Sab Jag Upajya, Koun Bhalley Ko Mandey/Loga Bharam Na Bhoolau Bhai." He asserts: "Allah created the Light and made all mortal beings; From the One Light, came the entire universe, so who is good, and who is bad? People, do not get deluded and meander."How can we apply these lofty principles in our daily lives? We actively fight the notions that take us on the divisive path. We see other people as human beings — not limiting them to their caste, creed or religion. In the Indian context, secularism has long been seen as respecting various religious beliefs. Indeed, as children, we often visit friends' homes without bothering about their religion or caste until the age-old prejudices passed on by elders intrude upon childish innocence. We must cling to this "childish" innocence and not let boundaries creep in where none are necessary. Of course, there are differences. Guru Nanak emphasised the need to recognise different paths to God. He also stressed following the teachings of one's religion with diligence and devotion to become a better human. There are instances where he chides those who profess to be religious leaders but are not true to one's faith. The Gurus taught us that true peace and happiness comes by following the injunctions of 'Naam Japna' (meditation in God's name), 'Kirat Karni' (honest work), and 'Vand Chhakna' (sharing with others). These practices foster a life of humility and selflessness, encouraging us to see the Divine in every person and live in harmony with one another. In short, happiness results from living in harmony with oneself and others. We seek the Divine who is within us. Once we are at peace with ourselves, we are also at peace with the world around us. We are tolerant towards others and more forgiving towards those who fail to meet our expectations. After all, we are all human, only human!

Himalayan brown dipper, aquatic acrobat of the mountains

Walking along the banks of Falachan river deep in the Kullu valley in Himachal Pradesh on a cold winter morning, a dash of brown in the middle of the river caught my eye, just for an instant. It disappeared into...

Walking along the banks of Falachan river deep in the Kullu valley in Himachal Pradesh on a cold winter morning, a dash of brown in the middle of the river caught my eye, just for an instant. It disappeared into the freezing water, only to reappear on a boulder some distance away, frantically repeating this process going up and down the river. It was a Himalayan brown dipper, a bird whose remarkable abilities belie its plain appearance.

The Himalayan brown dipper (cinclus pallasii) is a riverine bird found in the cold, fast-flowing streams and rivers of mountainous regions — across the Himalayan belt, from Afghanistan and northern Pakistan in the west, through India, Nepal, Bhutan and Tibet, to parts of China and northern Southeast Asia, at elevations ranging from 1,000 to 4,500 metres above the sea level.

One of the most fascinating aspects of the Himalayan brown dipper is its ability to dive underwater to forage for food. Unlike most birds in the mountains, which are primarily terrestrial (ground-dwelling) or arboreal (tree-dwelling), dippers have adapted to an aquatic lifestyle, almost like seabirds.

They possess strong legs and large webbed feet that enable them to grip wet and slippery rocks and navigate swift river currents, while the brownishgrey feathers with a thick layer of fat provide excellent camouflage as well as insulation against the cold water. Nasal flaps prevent water from entering their nostrils while diving, and their eyes are equipped with an additional membrane to protect them underwater. Such a list of unique adaptations enables the dipper to feed on food like aquatic insects, larvae and small invertebrates, with little competition. The Himalayan brown dippers are solitary and territorial birds, and only migrate short distances up and down their altitudinal range with Despite their inherently resilient nature, the changes in weather. They are often seen perched on rocks in the middle of streams, bobbing or 'dipping' up and down — a behaviour that is thought to help them spot prey underwater, and also gives them their common name: 'dipper'. While they can also feed in shallow waters or along the banks, the requirement of extra food during the mating season compels them to dive into deeper waters in search of prey.

The bird serves as an important bioindicator species whose presence and health reflect the overall quality of its surrounding environment. Clean, unpolluted and well-oxygenated water is essential for the aquatic insects and larvae that the



bird feeds on, meaning the dipper thrives only in pristine river ecosystems. Conversely, their absence ecological degradation, making them a valuable sentinel species for environmental monitoring.

Himalayan brown dippers face several threats. The construction of dams and diversion of rivers disrupt their natural flow, altering habitats and reducing the availability of prey. Loss of forest cover near riverbanks leads to erosion and sedimentation, while increased human activity, including unsustainable tourism, waste disposal and construction too close to streams and rivers, disturbs its nesting and feeding areas. Due to climate change, rising temperatures and melting glaciers are altering river dynamics, affecting the habitat and food sources. In lower altitudes of its habitat, industrial waste, agricultural runoff and untreated sewage also

tend to reduce water quality, affecting the availability of prey.

can indicate pollution, reduced water flow, or On the banks of the Falachan river though, all was well for now, the crystal-clear water wearing dual shades of milky white and emerald green as it roared down the valley. The dipper seemed to be delighting in these pristine surroundings as much as its observer, making several dives into the frigid water, welcoming the bountiful harvest that lay underneath. The Himalayan brown dipper, with its unique adaptations and vital ecological role, is more than just a bird — it is a silent steward of mountain rivers. Its survival is intertwined with the well-being of some of the planet's most fragile and vital ecosystems, and the communities that depend on it. As we marvel at the dipper's ability to navigate rushing torrents, let it also remind us of nature's ingenuity and resilience — and our responsibility to protect and nurture it.

Beyond bans

THE move by Australia to ban social media access for children under 16 has reignited global discussions on safeguarding young minds. While a similar ban in India might seem appealing, implementing it would be a logistical nightmare. Instead, a more...

THE move by Australia to ban social media access for children under 16 has reignited global discussions on safeguarding young minds. While a similar ban in India might seem appealing, implementing it would be a logistical nightmare. Instead, a more balanced approach is essential to protect children from the psychological and social harms of excessive social media use. Studies, including those from the American Psychological Association, highlight the negative impacts of unregulated social media usage on adolescents, such as anxiety, depression and poor self-esteem. The rise in cyberbullying, body image issues and sleep disorders further exacerbates the

problem, affecting millions of young users. However, imposing an outright ban may inadvertently push children towards unsafe, unregulated platforms, as experts warn. India must instead focus on promoting healthy social media



habits. First, schools can play a pivotal role by incorporating digital literacy into the curriculum, teaching children to navigate the online world responsibly. Second, Internet service providers should offer parental controls at the network level, making it

easier for parents to manage their children's online exposure without constant supervision. Moreover, tech companies must be held accountable. Stricter regulations should mandate social media platforms to enforce age verification and provide age-appropriate content. Partnerships between the government, civil society and technology providers can also create awareness campaigns highlighting the risks of excessive screen time and encouraging offline activities.

India can also learn from global examples by setting up an independent regulatory body to monitor and address digital safety concerns. Such a framework would not only protect children but also preserve their creative outlets and support networks, which are crucial for their development. In the face of rapid digital transformation, safeguarding India's youth from the ills of social media is not just a challenge — it is a responsibility that demands urgent, collaborative action.

Nissim Ezekiel, my father

If I could pray, the gist of my Demanding would be simply this: Quietude. The ordered mind. Erasure of the inner lie, And only love in every kiss. (From 'Prayer 1' by Nissim Ezekiel) The year 2024 is the birth...

The year 2024 is the birth centenary of Nissim Ezekiel. For me, as his daughter, it is a time to celebrate his life The centenary celebrations have been ongoing firstly as a father, and then for the immense legacy he left for the literary world and his mentorship of many younger poets like Dom Moraes, Adil Jussawalla, Gieve Patel, Menka Shivdasani, Ranjit Hoskote and Sudeep Sen. He placed special emphasis on the craft of writing and on attention to careful and thoughtful revision of a poem. He created a space for poetry, both the reading of it at the PEN office in Bombay, and the publishing of poetry.In 'Modern Indian Poetry in English' (1987), the first comprehensive overview of the field, American scholar Bruce King presented Ezekiel as a watershed in the evolution of Indian poetry in English; the poet who "brought a sense of discipline, self-criticism and mastery to Indian English poetry", separating poetry as a "hobby, something done in spare moments" from poetry as a vocation, to be pursued with "craftsmanship and purposefulness". Ezekiel was a poet, playwright, editor, art and television critic, translator and professor. He wrote hundreds of book reviews and essays on poetry, travelling extensively in India and overseas on invitation, reading his poetry and speaking at literary events. He was invited as visiting professor at the University of Leeds in 1964 and Writer-in-Residence at the University of Singapore. By common consensus, he is remembered as the 'Father of post-colonial Indian writing in English', specifically in the field of poetry. He is also fondly known as the 'poet of Bombay'.

He was born in 1924 into a Bene Israel Indian-Jewish family in Bombay, a city he loved dearly and never wanted to leave. My father passed away in 2004. throughout the year. They began with The Nissim Ezekiel Poetry Crawl hosted by Saranya Subramanian, where people walked through the iconic city and poetic landmarks, stopping to read Ezekiel's poetry, and experiencing Bombay through the poet's lens. This was a part of the Mumbai Kala Ghoda Literature Festival held in January.In August, the Sahitya Akademi held a seminar on Nissim Ezekiel's impact on Indian poetry in English. An interview conducted by Prof Malashri Lal with me about the centennial celebration volume 'Nissim Ezekiel, Poet & Father' compiled by me, edited by Vinita Agrawal and published by Pippa Rann Books, was part of the inaugural session. My father was a strong influence in my life in terms of the values and principles he held dear. He was always concerned about the welfare of others, especially the poor and the downtrodden. He himself was a simple man with few needs and a single-minded devotion to poetry. My name, 'Kavita', is the first bond I had with my father. My mother told me that he rejoiced at my birth as if he had written his best poem!Though he never directly helped me with

my writing, he would bring a variety of books and magazines home to encourage us to read widely. He knew I was writing poetry from the age of nine and was proud of that. He felt if he helped me with my work, it would mean to the world that he was promoting his daughter. He did not feel that was the right choice to make. So, professionally, he was not



involved in my writing. I attended his poetry readings, and he was my professor when I was doing my Master's degree at the University of Bombay. Among my many poignant memories of him are of his daily routine and humour. At night, long after all the day's work, I could hear the creak of the old wooden stairs at 11 pm. His voice still rings in my

ear, "Kavitam!", and I would know that he was home. His day was far from over. I'd see the lights in his room sometimes at 3.30 am. I would make my way to his room, knock, and call out, "Daddy, it's late. You should get some sleep." Sleep or not, he was at the PEN office by 9 am. He took the train from Bombay Central to Churchgate after a 15-minute walk down broken sidewalks from my grandmother's home where he lived. He never complained about anything, whether it was too hot, the train too crowded, or whether there was a caterpillar in his food at a restaurant one day! Finding the little creature in his food, he turned to a friend and exclaimed, "That must have been one very hungry caterpillar!" I promptly bought the children's book with the same name by Eric Carle. It is now one of the most beloved books on my shelf!The poets my father admired were Rainer Maria Rilke, EE Cummings, TS Eliot, Ezra Pound and WB Yeats. He loved the writings of Henry David Thoreau. When I retired after more than four decades of teaching, I was able to devote more time to studying his poetry in-depth. I realised that subconsciously, my poetry, like my father's, was about ordinary things and personal experiences. However, I will readily admit that it would take me many lifetimes to become a poet of his stature. We each have our unique journeys, and I am humbled and proud to be his daughter. My father had a gift, one that he readily shared with others, giving generously his time and money to help them on their poetic journeys. Many of his poems are cherished by me, but if I have to single out one, it would be 'Poet, Lover, Birdwatcher':

Switching jobs You should not ignore this EPFO advice

NEW DELHI If you're changing jobs, the Employees Provident Fund Organisation (EPFO) has an important guideline. It has mentioned that one does not need to generate a new Universal Account Number (UAN) when leaving one's previous job.

A UAN is a 12-digit number that serves as a unique identifier for your EPF account, ensuring your provident fund (PF) remains linked to you across different employers. This information is crucial for a smooth job transition and uninterrupted access to your retirement funds. If you have been assigned multiple UANs, you should consolidate all your previous employment details into your current UAN using the 'One Member One EPF Account' feature on

HERE'S HÔW YOU CAN DO IT

If you have multiple UANs, transfer the balance and service details from your old UAN(s) to your current UAN by submitting Form-13 online.

If your personal details (such as name, date of birth, or gender) are incorrect or do not match your Aadhaar details in the old UAN, you must get them updated by your previous employer. Once corrected, link your UAN to your Aadhaar. If the details are correct, you can directly link your UAN with Aadhaar via the eKYC portal.EPFO has also set a deadline for employers to activate Aadhaar-based UANs for their employees by November 30. This activation is necessary to access services like PF, pension, insurance, and employment linked incentives.

STEPS TO ACTIVATE YOUR UAN ON THE EPFO

Click on the 'Activate UAN' link under Important Links.Enter your UAN, Aadhaar number, name, date of birth, and Aadhaar-linked mobile number.

Ensure your mobile number is linked to Aadhaar to access EPFO's digital services. Agree to the Aadhaar OTP verification and click on 'Get Authorisation PIN' to receive an OTP on your Aadhaar-linked

Sensex, Nifty open lower as growth concerns loom ahead of key RBI decision

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened lower on Monday as cautious investor sentiment prevailed following the release of GDP data last week and the upcoming RBI rate cut

The S&P BSE Sensex was down 228.52 points to 79,574.27, while the NSE Nifty50 lost 101.55 points to 24,029.55 as of 9:35 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the Q2 GDP shocker of 5.4% will weigh on markets but the impact is unlikely to be big since part of the declining growth was factored-in by the market after the disappointing Q2 results.CSo, a sharp cut in the market, if it happens, can be an opportunity to buy since the DIIs will continue to buy during dips. The question is: what to buy. Segments like pharma, telecom and digital companies, which are not impacted by the slowdown can be bought on declines. In the context of the growth slowdown, the RBI is likely to cut the CRR on 6th December. The MPC is unlikely to cut rates when CPI inflation is running at 6.2%. CRR cut will be positive for banks and, therefore, banking stocks are likely to be resilient," he added.

Growth in gross GST collection slows to 8.5% to Rs 1.82 L cr in November

NEW DELHI. The gross GST collection in November grew at 8.5% year-on-year to R1.82 lakh crore largely on the back of healthy accrual from domestic transactions. However, it is lower than the October collection of R1.87 lakh crore, which was the second highest monthly collection recorded in GST. The domestic GST revenue grew by 9.4% during the month, while import GST revenue growth of 5.4%.

This is the third month in a row that gross GST collections have shown single digit growth, showing that a fatigue has set in as far as GST collections have been concerned. Even the festive months of October (when gross collections showed a growth of 8.9%) and November have failed to give a boost to the collections. However, net GST collections (net off refunds) grew by 11.1% to R1.63 lakh crore as refunds during the period declined by 9%. Total gross collections in the April-November period grew by 9.3% to R14.56 lakh crore, while net collections



during the period grew by 9.2% to R12.91 lakh crore. According to Vivek Jalan, Partner, Tax Connect Advisory Services LLP, the divergence in growth of income tax (15%) and GST (9.3%) in the April-November period seem to suggest that even if income levels are growing in India, consumption is not aligned accordingly.

...the year-to-date GST collections growth is also below the budgeted growth," says Jalan, adding that this may require some food for thought for the GST Council as it meets on 21 December. MS Mani, Partner, Deloitte India, highlights the fact that slower growth in some large states like Haryana (2%), UP & MP (5%), as well the negative growth in Rajasthan (-1%) & AP (-10%). This should be an area of concern as these states have significant manufacturing presence, he says.

What makes loans against gold jewellery hit among borrowers

A slew of factors led by the increasing financial distress of households, regulatory curbs on personal loans & rising prices of the yellow metal are driving the mkt

MUMBAI: The disbursal of loans against gold in the first seven months of the financial year has grown by an astounding 50%. Many analysts see this as a sign of deepening financial distress of the households. However, there are also other factors as well driving the growth in this segment. The regulatory pushback against unsecured personal loans being one of the primary factors. Every other segment of personal loans grew in midsingle digit during this period at a low 3.3%. Ease of getting a loan against gold jewellery, the price of which had sniffed at Rs 8,000/gram late October is another

factor driving this segment. Also, being a fully secured loan product, unlike unsecured personal loans, banks charge only under-10% interest, while gold loan NBFCs charge much higher, 1.2% a month for three months. If not unpledged in the third month, the interest rate spikes to 2%. In the former scenario, a borrower pays 1.4% on an annualised basis and 24% in the case of the second event.

According to the latest Reserve Bank data on sectoral deployment of credit, banks' loans against gold jewellery have grown by a whopping 50.4% in the first seven months of this fiscal to Rs 1,54,282 crore as of October 18, 2024, up a full 56% onyear and from Rs 1,02,562 crore end-March 2024. In the same period in October 2023, the growth was only 13%.

And thisstupendous growth for banks has come mostly at the cost of standalone players like the three Muthoot group entities, Manappuram Finance, IIFL Finance and a host of other non-bank lenders. While standalone players began to face growth headwinds after the November 2023 RBI circular asking banks to set aside 25 percentage points (125% in total) more money as risk weights for their loans to NBFCs played a



big role in their lower growth in the assets side. As a result, as of October 18, the bank credit to NBFCs have shrunk by 0.7% to Rs 1.5 lakh crore during the first seven months of the year. While banks control 82% of the market, with NBFCs having only 18% of the total gold loan pie, the latter control as much as 62% of the retail gold loan market, with banks controlling the rest, according to a recent Icra Ratings report.Bankers attribute this massive spike in gold loans to several factors, including a shift from NBFCs and a preference for secured loans over unsecured ones. They also attribute the

rise in their gold books to the increase in gold prices, which provide borrowers an opportunity to repay old loans and secure higher new loans. According to an Icra analysis, the organised gold market is expected to cross R10-lakh crore-mark this fiscal from Rs 9.2 lakh crore in FY24 and will grow 50% more to scale the Rs 15-lakh crore- mark by FY27. This growth will continue to be driven by public sector banks, mostly by their agriculture loans that are backed by gold ornaments. As much as 71% of their gold loan book is agri loans, which come at a subsidised rate along with a Rs 3 lakh cap on single borrower accounts.

Also, this higher growth comes against the RBI last month directing banks and nonbanks into gold loans to review their loan policies and procedures, instructing them to rectify any deficiencies within three months. In the personal loan segment, the year-to-date growth in home loans was a low 5.6% at Rs 28.7 lakh crore as of October 18. The on-year home loan growth was 12.1%, compared to 36.6% in October 2023. The next highest growth rate was in credit card outstanding, which rose by 9.2% in seven months to Rs 2.

Explained: Why Ola Electric share price jumped after falling 5% in early trade

NEW DELHI. Shares of Ola Electric have recovered sharply after tumbling 5.5% in early trade on Monday, following a sharp 33% drop in November sales to 27,746 units. The decline shows intensifying competition in the electric vehicle (EV) market, with rivals TVS and Bajaj Auto narrowing the gap. However, shares of Ola Electric witnessed a sharp recovery at around 11:11 am, trading 3.01% higher at Rs 90.05.Despite the drop in sales, Ola retained its leadership with a 25.09% market share in November, ahead of TVS at 23.55% and Bajaj Auto at 22.59%.TVS registered 26,036 units, while Bajaj Auto recorded 24,978 units. However, the overall EV market also saw an 18% dip in registrations compared to October, reflecting a post-



festive slowdown.

Ola's market share has fluctuated significantly in 2024, peaking at 49.8% in May before dropping to 28.6% in September and recovering to 31% in October due to festive offers.

Year-to-date, Ola remains the top player with 392,176 units sold, commanding a 37% share. TVS follows with a 19.5% share, and Bajaj Auto holds 16.6%.

Ather Energy accounts for 11% of the market, crossing the one lakh

Financially, Ola reported a net loss of Rs 495 crore for Q2 FY25, narrowing from Rs 524 crore a year ago but widening from Rs 347 crore in the preceding quarter. Revenue from operations grew 39% year-onyear to Rs 1,214 crore, but operating losses (EBITDA) increased sequentially to Rs 223

crore from Rs 65 crore in Q1 FY25. The EBITDA margin improved to -28.4% compared to -46% a year ago, signalling operational challenges. Ola's shares have declined sharply over the past three months, underperforming the broader market. On Friday, its shares closed at Rs 87.40 on the BSE, down 5.9%, even as the Sensex gained 0.96%.

What investors can look forward to in 2025

NEW DELHI. Investing is all about understanding the tailwinds and headwinds. Your flight to financial prosperity depends on your ability to understand the impact of these conditions. You may choose not to dive deep and rely on professionals to figure it out.

Those who manage your money carefully analyse the financial market situation. Since today's prices are a function of tomorrow's profits, all numbers that could influence future profit growth are crunched. From the analysis thus far, the picture is a bit hazy for your investments in 2025.

Inflation and interest rates The macroeconomic data shows India's economic growth is slowing, and inflation is stubbornly high. Analysts are revising growth estimates downwards for the financial year 2024-25, and inflation estimates upwards. Food inflation refuses to remain in check. The Reserve Bank of India's monetary policy committee will likely be under intense pressure from the government in 2025 to bring down borrowing rates. The government and the RBI may have differing views on the issue. The government may want RBI to lower borrowing rates to stimulate growth.

However, the RBI committee will likely continue inflation targeting to ensure India's economy is not overheated. Even at the slowest level in several quarters, India is the fastest-growing large economy and will continue to remain so in 2025. The chances of interest rates rapidly going down in 2025 look dim. That means the cost of your loans is likely to stay the same. You may get concessions on refinancing. Banks can offer attractive terms to move your existing loan to them. The year 2025 may be when you could probably bring down the average cost of borrowing. You may want to discuss that with your financial advisor.

Stock markets in 2025

India is no longer the only attractive market for foreign portfolio investors. While they may not sell as aggressively as they did in 2024, US markets will remain the focus of global investors. If returns in American stocks remain attractive, India may see money move out. At the same time, share prices in China remain cheap despite the rally. In 2025, more money could flow into China as it remains the cheapest stock market among all emerging markets. India continues to remain the most expensive market in terms of price-earnings multiple. At the same time, the US and China have a declining inflation trend. That should enable their central banks to bring down the cost of borrowing. When that happens, more money flows to equity assets. With US companies sitting on a record amount of cash and the incoming US presidential policy encouraging local manufacturing and services, US equities could remain an attractive proposition for global

Carmakers, except Hyundai, report surge in November sales

NEW DELHI. Most carmakers, with the exception of Hyundai Motor India Ltd (HMIL), reported year-on-year growth in November wholesales. However, on

a sequential basis, most companies saw a significant decline, as festive demand tapered off and buyers, despite attractive discounts, hesitated to make big-ticket purchases. The country's largest carmaker - Maruti Suzuki's domestic passenger vehicle (PV) wholesales grew by 5% last month to 1,41,312 units as compared to 1,34,158 units in the year-ago month. Month-on-month basis, it was a big dip given that Maruti, backed by festive demand, had sold nearly R1.60 lakh units in October 2024.Korean brand Hyundai registered total wholesales of 61,252 units (Domestic: 48,246 units and Export: 13,006 units) in November 2024. On an annual

basis, sales were down by 2.4% last month as the carmaker had dispatched 49,451 units in November 2023. Hyundai's exports fell sharply by 20.5% last month.Commenting on HMIL sales, Tarun Garg, Whole-time

Director and Chief Operating Officer, HMIL said, "HMIL's push towards fortifying SUV supremacy continued in November with SUVs contributing



68.8% of our total Domestic sales. We also bolstered HMIL's presence in the hinterland of India, by achieving the highest ever monthly rural contribution of 22.1% in November."Tata Motors Passenger vehicle (PV) wholesales,

including electric vehicles, grew by 2% to 47,117 units as against 46,143 units in November 2023. Within this, domestic PV dispatches saw a 2% uptick to 47,063 units compared to 46,068 units in the same month last

Toyota Kirloskar Motor (TKM) continues to post a robust growth trajectory, recording sales of 25,586 units in November 2024, a 44% increase over the same period last

Sabari Manohar - Vice President, Sales-Service-Used Car Business, Toyota Kirloskar Motor said, "The year 2024 has exceeded our expectations and we are gearing up to close it on a strong note, with a continued focus on redefining customer experience to effectively meet evolving market demands." JSW MG Motor announced wholesale figures of 6019 units in November 2024. Compared to November 2023, this is a year-on-year growth of 20 %. MG Windsor, India's first intelligent CUV, maintains its strong demand, leading the company's EV sales for the second consecutive month with 3144 units sold.

Q2 GDP slowdown: What it means for stock market investors

The GDP growth in the second quarter of FY25 fell sharply to 5.4%, the lowest in seven quarters. Will this lead to further turbulence on Dalal Street?

NEW DELHI. India's economy hit a speed bump in Q2 FY25, with GDP growth In the context of the growth slowdown, slowing to 5.4%—the weakest in seven quarters. For stock market investors already navigating weak corporate earnings and persistent foreign outflows, this slowdown adds to the challenges on

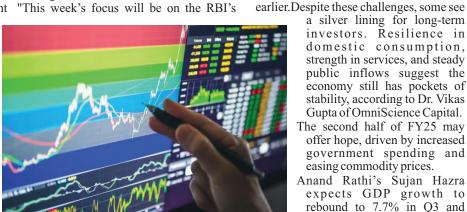
As Sensex and Nifty slip 7-8% from their peaks, brokerages have trimmed GDP forecasts, hinting at potential market turbulence. Yet, analysts believe the dip could open doors for savvy investors eyeing long-term opportunities.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "The Q2 GDP shocker of 5.4% will weigh on markets but the impact is unlikely to be big since part of the declining growth was factored-in by the market after the disappointing Q2 results.""So, a sharp cut in the market, if it happens, can be an opportunity to buy since the DIIs will continue to buy during dips. The question is: what to buy. Segments like pharma, telecom and digital companies, which are not impacted by the slowdown can be bought on declines," he added.

the RBI is likely to cut the CRR on 6th December. The MPC is unlikely to cut rates when CPI inflation is running at 6.2%. CRR cut will be positive for banks and, therefore, banking stocks are likely to be resilient."Prashanth Tapse, Senior BROKERAGES ON INDIA'S GDP VP (Research), Mehta Equities Ltd also agreed that the market remains buoyant It may be noted that Goldman Sachs has cut due to strong domestic investor

sentiment, despite concerns over slowing GDP growth in Q2 FY25 to 5.4% and rising retail inflation above 6%.

"This week's focus will be on the RBI's



MPC outcome on Friday, with expectations of a status quo on rates, while US non-farm payrolls will also draw attention," he added.

India's FY25 GDP growth estimate by 40

Anand Rathi's Sujan Hazra expects GDP growth to rebound to 7.7% in Q3 and 8.1% in Q4. Consumption

easing commodity prices.

growth, though softer, remains steady at 6%, while stabilising crude prices could ease pressure on net exports. The slowdown also brings the Reserve Bank of India into focus. While a rate cut at the December 6 meeting seems unlikely, analysts expect a CRR reduction that could bolster banking stocks.

basis points to 6%, while Nomura revised it to 5.7%. UBS now projects 6.3%, and

Citi lowered its estimate to 6.4% from 7%

a silver lining for long-term investors. Resilience in

domestic consumption,

strength in services, and steady

public inflows suggest the

economy still has pockets of

stability, according to Dr. Vikas

Gupta of OmniScience Capital.

The second half of FY25 may

offer hope, driven by increased

government spending and

Tuesday, 03 December 2024

Delhi's AQI drops to below 300 after a month

►On Sunday, out of 38 monitoring stations in the capital, 11 recorded air quality in the "very poor" category, while the remaining 27 recorded it in the "poor" category, according to the Sameer app.

NEW DELHI. Delhi's Air Quality Index (AQI) dropped below 300 for the first time on Sunday after a month as dry northwesterly winds and ample sunlight aided in the dispersion of pollutants. The air quality in the national capital has oscillated between "very poor" (AQI between 301-400) and "severe" (over 400) categories for the past 32 days. Delhi's 24-hour average Air Quality Index (AQI) was recorded at 285 at 4 PM on Sunday, an improvement to the "poor" category.

The city's air quality was last recorded in the "poor" category on October 29, with an AQI of 268, according to data from the Central Pollution Control Board (CPCB).On Saturday, the AQI was 346 in the "very poor" category. The air quality slipped from 'poor" to the "very poor" category on October 30 and stayed there for 15 consecutive days before deteriorating further into the "severe"

On Sunday, out of 38 monitoring stations in the capital, 11 recorded air quality in the "very poor" category, while the remaining 27 recorded it in the "poor" category, according to the Sameer app. The CPCB classifies AQI between 0 and 50 as "good", between 51 and 100 as "satisfactory", between 101 and 200 as "moderate", between 201 and 300 as "poor",

400 as "severe". The primary pollutant on Sunday was PM2.5, with levels recorded at 114 μg/m ³ at 6 PM. These fine particles pose significant health risks as they can penetrate deep into the lungs and enter the bloodstream.



Vehicular emissions, as reported by the Centre's Decision Support System (DSS) for Air Quality Management, are typically updated daily at noon. However, data for Saturday and Sunday was unavailable on the website until 4 PM, with the most recent estimate reflecting Friday's contribution, accounting for 21.6 per cent of Delhi's pollution.

The Air Quality Early Warning System for Delhi observed that the predominant surface wind on Monday morning is likely to come from the northwest direction at speeds below 4 kmph.

between 301 and 400 as "very poor", and over Smog and moderate fog are expected in the morning, with wind speeds increasing to less than 8 kmph in the afternoon, before decreasing again to below 4 kmph in the evening and night.Smog or shallow fog is likely to persist in the evening, with a clear sky during the day.

Mahesh Palawat, vice president of meteorology at Skymet, attributed the improvement in air quality to consistent dry northwesterly winds since Saturday, blowing at approximately 8 km/hr.These winds remained active overnight and increased to 15 km/hr on Sunday, aiding in the dispersion of pollutants. Furthermore, the absence of dense fog in the region

allowed ample sunlight to reach the surface, which helped scatter pollutants and gases as the mixing height stayed relatively high.It was a sunny Sunday for Delhi residents, with the daytime temperature recorded at 27 degrees Celsius, a notch above normal, according to the IMD. Humidity fluctuated between 93 per cent and 63 per cent during the day. The weather department has forecasted moderate fog for Monday, with the maximum and minimum temperatures expected to settle at 27 and 11 degrees Celsius,

BJP to launch 'Parivartan Yatra' from December 8 to

Delhi BJP president Virendra Sachdeva emphasised that these rallies will be a foot march rather than a vehicle procession, allowing one-to-one interaction with 20,000 families in each constituency.

NEW DELHI. BJP will launch the Parivartan Yatra across all assembly constituencies in Delhi starting from December 8 and concluding on December 20.

Led by Former Delhi BJP President Satish Upadhyay, the yatra will cover all 70 assembly constituencies. Each yatra will start in the morning and conclude with a corner public meeting in the evening, covering one parliamentary constituency at a time.

Delhi BJP president Virendra Sachdeva emphasised that these rallies will be a foot march rather than a vehicle procession, allowing one-to-one interaction with 20,000 families in each constituency.

He added that the BJP has a history of reaching the masses through such campaigns, and this yatra will be a major effort to connect with people on a large scale.Upadhyay criticised the AAP government in Delhi, alleging corruption, extortion, threats, and attempts to create fear among citizens. He said



that Delhi is now ready for a change of power, and people are determined to oust the current dispensation, which he described as "anti-

He further stated that the BJP will convey its message to the people through the yatra, which will last for nearly two weeks. Upadhyay mentioned that the yatra will start from prominent places of worship in each assembly constituency and will include participation from national BJP leaders. During the yatra, the BJP has planned to interact with local organisations, RWAs, NGOs, senior citizens, key voters, sportspersons, distinguished individuals, and women. The day's yatra will end with a public gathering in the evening. The saffron party started its campaign a little late, given the fact that AAP and Congress kicked off their respective campaigns last month. Kejriwal's party has been holding padyatras and

'Revdi Pe Charcha' (discussion on freebies) across Delhi for nearly a month. The party aims to hold 65,000 meetings in every street, neighbourhood, and society before the election. Similarly, Congress has already conducted two phases of campaigning. They launched the first phase of their campaign, Delhi Nyay Yatra, on November 8 and the second on November 16.

Bike Hits Woman, Moments Later It Gets Hit By Truck



In UP, 2 Injured

New Delhi. CCTV footage from a road in Uttar Pradesh's Kaushambi shows the moment when a woman was nearly run over by a truck. The short clip of the footage has gone viral on social media. The footage shows a woman walking on the side of the narrow road. The traffic appears to be light, with no congestion. A few seconds into the video, a bike was seen coming from behind the pedestrian. A man was riding it, and a woman in a red saree was riding pillion. The rider brushes past the pedestrian, which makes him

lose balance. The bike skids for a few metres. Shockingly, a truck was coming from behind. While the man falls on the side of the road, the woman falls in front of the rear tyres. Police said both were injured critically. They are being treated in hospital.

Police launch anti-drug campaign, vow to make city narcotics-free by 2027

As per a joint survey conducted by the Ministry of Social Justice and Empowerment and AIIMS, drug abuse is more prevalent in the Delhi-NCR region compared to the national average.



NEW DELHI. The Delhi Police has launched a monthlong pilot project aimed at making the capital completely drug-free within the next three years. Senior officers say that during this month, the focus will be on taking strict action against the drug traffickers while simultaneously appealing to all sections of society to raise awareness and reduce the demand for drugs.

The police have also decided to give suitable rewards to the public who share information. Special Commissioner of Police (Crime) Devesh Chandra Srivastav said as part of its campaign against illegal drug traffickers and suppliers active in the capital, the Delhi Police is not only seizing illegal narcotics and arresting drug peddlers on a daily basis but also dismantling the network of active traffickers by confiscating their properties and initiating preventive detention proceedings under the PITNDPS Act.

The PIT-NDPS Act 1988 provides for the preventive detention of repeat offenders, which is termed an effective method in dealing with the drug menace. Once a preventive detention order is issued under the said act, the illegally acquired properties of the said person are liable for forfeiture.

Delhi has varied problems, and the infiltration of drugs and its abuse is of prime concern. As per a joint survey conducted by the Ministry of Social Justice and Empowerment and AIIMS, drug abuse is more prevalent in the Delhi-NCR region compared to the national average and to tackle the menace, the Delhi Police is leaving no stone unturned to put a plug to the problem. Notably, the 9th state level committee meeting of NCORD was convened on November 20 at Delhi Secretariat under the chairmanship of Delhi's Chief Secretary. Subsequently, a review meeting was held on November 26 at Raj Niwas under the chairmanship of the LG VK Saxena. "The purpose of this meeting was to review the decisions of the 9th State Level Committee and discuss strategic measures to eradicate drug trafficking and abuse in Delhi," the Special CP said.

AAP MLA Naresh Balyan sent to two-day police custody in extortion case

The police argued that custodial interrogation was vital to unravel the conspiracy, trace the gangster's whereabouts, and dismantle the extortion syndicate.

NEW DELHI. A Delhi court, on Sunday, sent AAP MLA Naresh Balyan to two days of police custody in connection to an extortion case registered against him last year. The case, which has drawn a lot of public attention, has been marked to the MP/MLA court of Judge Paras Dalal.

During the hearing, the Delhi Police sought five days of Balyan's custody, alleging his non-cooperation during the investigation. They emphasised the necessity of obtaining his voice sample to verify its match with an alleged audio recording of a conversation between Balyan and notorious gangster Kapil Sangwan, also known as Nandu.

The police argued that custodial interrogation was vital to unravel the conspiracy, trace the gangster's whereabouts, and dismantle the extortion syndicate.

The court, while granting two days of



police custody, directed that an application for Balyan's voice sample be filed after the remand period concludes.

However, Balyan's legal team termed the arrest "illegal" and "politically motivated". They argued that the arrest grounds were not provided to Balyan in writing at the time of his detention — a violation of procedural requirements.

Meanwhile, the police's remand application highlighted the MLA's alleged involvement in a nexus with Sangwan, claiming Balyan facilitated extortion activities.

Police, in its remand copy, expressed concerns about public outrage, citing fears among business owners and common citizens over elected representatives allegedly colluding with criminals.

"The arrest is essential to recover mobile phones used in the crime and prevent the accused from intimidating witnesses or victims," the remand papers stated.

CM Atishi urges L-G to approve rehiring of bus marshals

► According to CM Atishi, the appointment of bus marshals led to the apprehension of numerous miscreants, and for the first time, women began to feel secure while travelling.

NEW DELHI. Chief Minister Atishi has written to the lieutenant governor (L-G) VK Saxena requesting the immediate approval of a proposal to reinstate over 10,000 bus marshals in Delhi. She emphasised the critical role these marshals play in ensuring women's safety in public transport and expressed concern over the delay in approving the proposal submitted on November 13. In her letter, CM Atishi highlighted the challenges women faced before the deployment of bus marshals, recalling a time when harassment and predatory behaviour were daily realities for

women commuting on Delhi buses. She wrote, "Our mothers, sisters, and daughters felt unsafe, and stepping out for work, school, or college was a daunting task. This pain was felt in every household."

She said that the Delhi government tackled this issue by deploying over 10,000 bus marshals, who worked diligently to ensure public safety.



According to CM Atishi, their efforts led to the apprehension of numerous miscreants, and for the first time, women began to feel secure while travelling. She noted, "These marshals became a beacon of hope, instilling confidence in women and assuring them that no anti-social element would trouble them." However, the letter expressed dismay over the subsequent actions of certain officers acting under the directives of the central

government. CM Atishi pointed out that these officers conspired first to withhold the salaries of the marshals and then, on October 31, 2023, terminated their employment altogether.

Despite the Delhi government's plea for strict action against these officers, CM Atishi stated, "Instead of being held accountable, these officers were rewarded with promotions."She added that the termination of bus marshals has not only deprived 10,000 families of their livelihoods but also compromised the safety of women travelling on buses. In her plea to the L-G, CM Atishi said, "Stripping these marshals of their jobs has weakened the safety net that empowered millions of women to travel fearlessly every day." The chief minister informed the L-G that the Delhi government had passed a proposal on November 13, 2024, to reappoint the marshals and had submitted it to his office. However, she expressed her frustration over the lack of response.

Delhi assembly polls: AAP faces tough battle as BJP, Congress gear up for three-cornered fight

New Delhi. The BJP was in power in Delhi between 1993 and 1998 and has given three Chief Ministers — Sahib Singh Verma, Madan Lal Khurana and Sushma Swaraj during that period. The Delhi voters, however, in 1998, chose Congress' Sheila Dikshit, and their preference remained intact for 15 years. Dikshit made a hat-trick of winning back-to-back assembly elections, keeping aspirations of the saffron party at bay.

After supporting the Congress from 1998 to 2008 Vidhan Sabha elections, many voters began to feel disillusioned with the grand old party, especially after a series of alleged scams, such as the 2G spectrum. And, with Anna Hazare, Arvind Kejriwal and other activists bursting onto the national scene with their anti-corruption movement in 2011, successfully channelling people's angst against the then Congress-led central government, the party's Delhi unit too felt its repercussions. In the 2013



bagged 28 seats, and Congress finished third with just eight seats. The AAP, succeeding in snatching away

Congress' vote bank, formed its government in the capital city with support coming from none other than its "adversary" Congress. After resigning from the chief minister's post in just 49 days over Jan Lokpal Bill issue, Arvind Kejriwal requested fresh elections for the legislative assembly. Subsequently, in

2015 and 2020 assembly elections, the AAP completely decimated the Congress and the BJP. It was a wave of Arvind Kejriwal, which recorded a massive victory over his opponents, as the AAP got 67 out of 70 seats in 2015 and 62 in 2020. Riding on a wave of popularity, the party ruled in the capital "spotlessly" till allegations of liquor scam and expensive renovation at the CM's residence and money laundering cases were

levelled against the party born out of the anti-corruption movement. Its top brass, including the national convener, secondin-command, one cabinet minister and a Rajya Sabha MP, had spent time in jail, ranging from six months to two years. Now, all of them are out on bail, but many of their colleagues have chosen different paths or become rebels, posing tough challenges to AAP dispensation ahead of assembly elections, which are just months away. Now, when the AAP is going through a challenging phase, the Congress and the BJP have been trying to revive their chances of staging a comeback in Delhi. The AAP is also leaving no stone unturned to save its citadel as the party has started its 'Revdi Pe Charcha' (discussion on freebies) campaign. The Atishi-led Delhi government recently also increased the scope of the old-age pension, adding 80,000 more beneficiaries. The BJP, which has won all the seven Lok Sabha seats in 2014, 2019 and 2024 General Elections, has also hit the ground running by holding demonstrations against Kejriwal for the "costly" overhaul of the CM's official residence, which happened during his tenure. The party's Delhi unit has also begun holding talks to select candidates for each seat. Meanwhile, Congress has kicked off its month-long padyatra in various parts of the city, hoping to win back its voter base. And now, since three months are left in the prestigious Delhi assembly polls, it appears to be a three-cornered fight this

Who stole his phone?': Bernie Sanders backs Trump's DOGE initiative, Elon Musk, netizens react

World. Senator Bernie Sanders showed his support for US President-elect Donald Trump's Department of Government Efficiency (DOGE) initiative on Sunday, focusing on its potential to address Pentagon spending. Sanders raised concerns about the Pentagon's budget and recent audit failures.

Elon Musk is right. The Pentagon, with a budget of \$886 billion, just failed its 7th audit in a row. It's lost track of billions," Sanders posted on X. He linked his support to the need for change in federal and defence spending. "Last year, only 13 senators voted against the Military Industrial Complex and a defense budget full of waste and fraud. That must change," he added. Trump appointed Elon Musk and Vivek Ramaswamy to lead DOGE, which aims to identify wasteful spending within the government. The initiative is set to conclude its work by July 4, 2026. DOGE will work with the White House and Office of Management and Budget, but it is not a formal government department. The Department of Defence recently announced its seventh consecutive audit failure. The department received \$824.3 billion in government funding for the 2024 fiscal year. Pentagon officials said that the audit did not reveal significant fraud, as reported by the New York Post.Sanders has consistently criticised US defense spending. His stance aligns with other progressives who advocate for increased social spending. Representative Ro Khanna also expressed willingness to collaborate on reducing wasteful spending within the Department of Defence. Representative Jared Moskowitz suggested DOGE should also examine the Department of Homeland Security. As a claimed leftist and working-class advocate with close ties to the Democratic Party, Sanders' support for DOGE, a new policy under the Trump administration, sparked mixed reactions on social media platform X, with responses from Elon Musk, Matt Gaetz and

Furthermore, Musk's America super PAC said, "Sensible spending is not a partisan issue. The general public supports DOGE holding government accountable to spend taxpayer money more wisely."

Hitman Frederick Silva offered \$71,000 to kill Canadian reporter who was covering his trial, admits to plot

World. A hitman offered a C\$100,000 contract (approximately Rs 6,020,189.11) to kill a crime reporter working at the Montreal newspaper La Presse in Canada.Frédérick Silva, already found guilty of three murders and one attempted murder, admitted to offering the contract to kill journalist Daniel Renaud, as reported by newspaper La Presse. Renaud was covering Silva's trial in 2021. Silva confessed to the plot after becoming a police informant in 2022, revealing his criminal history to authorities. La Presse learned about the threat against Renaud through Silva's confession to the police. While in jail during his trial, Silva contacted two organized crime figures about killing Renaud. They reportedly hesitated, calling it a bad idea. The contract remained active for about two months but was never executed. Silva claimed he canceled it due to having "more important issues to deal with."

Quebec Premier François Legault denounced the plot. \"It makes no sense that in Ouebec – we are not in a movie – there is a contract placed on the head of a journalist because he does his job,\" he said. He added, \"This is not the Ouebec we want,\" and stressed the importance of continued police action against organized crime.Renaud said he was shocked by the news. \"I don't censor myself, but I always exercise restraint so I don't reveal details about the private lives of criminals and avoid putting lives in danger. So I never thought that I could have ended up the subject of a contract like this,\" he said. Silva is currently serving a life sentence. A former colleague of Renaud and current provincial politician, Vincent Marissal, described Renaud as a "very rigorous person - not the type of guy who makes a lot of noise in the newsroom but apparently he can cause a lot of bother," he said. "That means he's doing his job, but that's certainly no reason to see a price put on his head," he added.

Oxford's word of the year is 'brain rot'. What it means

World Brain rot" has been selected as Oxford's word of the year for 2024, reflecting growing worries about excessive social media usage and intellectually unstimulating content. The selection process involved over 37,000 public votes from a shortlist of six words compiled by Oxford University Press, which publishes the Oxford English Dictionary.

This annual recognition, previously awarded to terms like "rizz" and "climate emergency", seeks to capture the year's predominant sentiments and developments. The term describes a perceived decline in mental or intellectual capacity, particularly attributed to excessive consumption of trivial or undemanding online material, according to a report from The Guardian.Oxford University Press noted that the phrase gained significant traction in 2024, specifically addressing worries about the effects of consuming excessive amounts of poor-quality online content, particularly on social media platforms. The term's origins date back to 1854, first appearing in Henry David Thoreau's "Walden". Casper Grathwohl, president of Oxford Languages, said, "Brain rot speaks to one of the perceived dangers of virtual life, and how we are using our free time. It feels like a rightful next chapter in the cultural conversation about humanity and technology. It's not surprising that so many voters embraced the term, endorsing it as our choice this year."

Khaleda Zia's Son Tarique Rahman Acquitted In 2004 Deadly Grenade Attack

A two-member judge panel scrapped Sunday the entire 2018 ruling for all 49 men, following an appeal lodged by the defendants.

Dhaka. Bangladesh's High Court on Sunday acquitted former prime minister Khaleda Zia's son, Tarique Rahman, and 48 others, overturning their verdicts in a deadly 2004 grenade attack on a political

The ruling comes at a critical time as the South Asian country suffers political tension after longtime Prime Minister Sheikh Hasina fled the country to India in August following a mass uprising that left hundreds dead. Rahman serves as the acting chairperson of Zia's Bangladesh Nationalist Party while in self-exile in London, and could become Bangladesh's next leader if his party is voted into

Rahman and the 48 others were found guilty in 2018 in the attack targeting a rally held by supporters of Hasina, who led the opposition at the time, leaving two dozen people dead and wounding about 300 others. A court sentenced 19 of them to death while Rahman got life in prison, with Zia's party accusing the ruling counterpart of being politically

A two-member judge panel scrapped Sunday the entire 2018 ruling for all 49 men, following an appeal lodged by the defendants. Shishir Monir, a defence lawyer, told reporters the court declared the trial and verdict "illegal." "As a result, all defendants have been acquitted," he said. Zia, who ruled the country as prime minister between 2001-2006, and Hasina are the country's most powerful politicians and longtime rivals.

Nobel Peace laureate Muhammad Yunus has

been the country's interim leader since Hasina left, but authorities have been struggling to enforce order amid mob justice, chaos and claims of systematic targeting of minority groups, particularly Hindus, which Yunus said are "exaggerated." Hasina's Awami League party blasted the court ruling in a Facebook post on Sunday, saying it wasn't "Yunus' Kangaroo court" and that the people of Bangladesh would be the ones trying those responsible for the attacks

Zia's party welcomed Sunday's ruling.

The attorney general's office can appeal the ruling in the Supreme Court. The Yunusled government has not declared any timeframe for the next election, but Rahman and his party want the new election sometime soon. Meanwhile, Jamaat-e-Islami party, which shared power with Zia's party in 2001-2006 with important portfolios in

the Cabinet, said it wants to allow the Yunus-led government to stay in power to bring in reforms in various sectors before a new election. Hasina faces charges of crimes against humanity for deaths during the summer's student-led uprising. The interim government has sought help from Interpol to arrest Hasina. It is not clear if India will respond to any request from Bangladesh for Hasina's extradition under a mutual treaty.

French Museum Invites Public To Visit Art Exhibition Naked, Here's Why

Peshawar. A ceasefire agreement has been reached between two warring tribes in Pakistan's restive Khyber Pakhtunkhwa province following days of clashes between them that killed 130 people in the volatile Kurram district.

Deputy Commissioner Kurram Javedullah Mehsud confirmed on Sunday that peace has been established across the conflict zones in the restive Kurram district. The clashes between Alizai and Bagan tribes in the district started on November 22, after an attack on a convoy of passenger vans near Parachinar in which 47 people were killed a day earlier. Several passengers who had sustained grave injuries succumbed later, raising the toll in the convoy killing to 57. The death toll from the violence surged to 130, with at least six people killed and eight injured on Sunday, as clashes in the volatile Kurram district continued for the eleventh consecutive day.

The district administration finally succeeded in arranging a lasting ceasefire on Sunday between two warring tribes engaged in a lethal gunfight, Mehsud said. In the statement, the Deputy Commissioner on Sunday said that the jirga (council of the tribal leaders) would speak to elders to reopen roads and sign a peace agreement. Armed tribesmen were removed from the firing posts while police and forces have been deployed in the region, Mehsud said. The latest spell of violence, which continued for



the 11th consecutive day, has claimed at least 130 lives and injured 186. The recent episode of clashes began eight days ago with ambushes on two separate convoys under police escort. Since then, violence between the warring clans has escalated, with police struggling to maintain control. The Kurram region is facing a communication blackout, with mobile and internet services suspended and educational institutions closed. The closure of the main highway has not only disrupted local transportation but also caused a complete suspension of trade with Afghanistan, particularly at the Kharlachi border. Kohat division elders and Parliamentarians would visit Kurram district to ensure a peace agreement between the warring tribes. Previous efforts to mediate peace, including a seven-day and ten-day truce brokered by provincial officials in November, have failed to hold.

A high-powered delegation, including Khyber Pakhtunkhwa Chief Secretary Nadeem Aslam Chaudhry and IGP Akhtar Hayat Gandapur, had also negotiated a ceasefire last weekend, but violence resumed shortly afterwards. A day earlier, Khyber Pakhtunkhwa Chief Minister Ali Amin Gandapur emphasised the need for establishing peace in the area and ordered authorities to demolish dugouts of rival tribes and seize their weapons. The provincial chief executive issued the directives during a grand jirga, organised in Kohat district on Sunday which was attended by

Outgoing US President Biden Issues 'Full And Unconditional' Pardon To Son Hunter

World. Outgoing US President Joe Biden on Sunday issued "a full and unconditional pardon" to his son Hunter Biden, stating that he was targeted solely because he is his son."For my entire career I have followed a simple principle: just tell the American people the truth. They'll be fair-minded. Here's the truth: I believe in the justice system, but as I have wrestled with this, I also believe raw politics has infected this process and it led to a miscarriage of justice – and once I made this decision this weekend, there was no sense in delaying it further," Biden said in a statement.Hunter Biden, who was convicted earlier this year on federal gun and tax charges, faced sentencing this month and was set to appear in Delon, California, where he risked lengthy prison sentences. He claims that he was selectively and unfairly prosecuted, arguing that the charges were politically motivated. From the day I took office, I said I would not interfere with the Justice Department's decision-making, and I kept my word even as I have watched my son being selectively, and unfairly, prosecuted," Biden said."Without aggravating factors like use in a crime, multiple purchases, or buying a weapon as a straw purchaser, people are almost never brought to trial on felony charges solely for how they filled out a gun form. Those who were late paying their taxes because of serious addictions, but paid them back subsequently with interest and penalties, are typically given non-criminal resolutions. It is clear that Hunter was treated differently," US President said, PTI reported.US president stated that the charges in his son's cases were brought about only after several political opponents in Congress instigated them to attack him and oppose his

'Then, a carefully negotiated plea deal, agreed to by the Department of Justice, unraveled in the court room – with a number of my political opponents in Congress taking credit for bringing political pressure on the process. Had the plea deal held, it would have been a fair, reasonable resolution of Hunter's cases," he added. "No reasonable person who looks at the facts of Hunter's cases can reach any other conclusion than Hunter was singled out only because he is my son – and that is wrong," he also said.

'There has been an effort to break Hunter – who has been five and a half years sober, even in the face of unrelenting attacks and selective prosecution. In trying to break Hunter, they've tried to break me – and there's no reason to believe it will stop here. Enough is enough," he further added.

Top 100 defence suppliers see boost in arms sales owing to wars, regional tension

World. Sales by major defence boosted in 2023 owing to war and conflicts in Gaza and Ukraine and tension brewing in Asia, with an increase shown in the manufacturers based in Russia and Middle East, a report by a leading think-tank said on Monday.A report by the Stockholm International Peace Research Institute (SIPRI) has claimed that world's 100 largest arms companies increased their arms sales by 4.2% in 2023 to \$632 billion which was mainly driven by wars and

regional tensions in some areas across the globe.

The sales by these global arms giants saw a dip of 3.5% in 2022 as they were not able to meet the high demands due to labour shortage, but many of them have



managed to meet the growing demand of arms as they could set up their production to the desired quantity in 2023, the report by SIPRI has claimed."Overall, smaller producers were more efficient at responding to new demand linked to the wars in Gaza

and Ukraine, growing tensions programmes elsewhere," SIPRI's report stated. The Russian companies on the list, including Russian government owned Rostec, alone accounted for the biggest combined rise of 40% to \$26 billion, reported Reuters.

'There has been a marked increase in arms sales in 2023, and this trend is expected to continue in 2024," said Lorenzo Scarazzato, a researcher at SIPRI's program on military expenditure and arms production."The arms

revenues of the Top 100 arms producers still did not fully reflect the scale of demand, and many companies have launched recruitment drives, suggesting they are optimistic about future sales," Lorenzo added.

Biden pardons son Hunter despite previous pledges not to

WASHINGTON. President Joe Biden In June, Biden categorically ruled out a pardoned his son, Hunter, on Sunday night, sparing the younger Biden a possible prison sentence for federal felony gun and tax convictions and reversing his past promises not to use the extraordinary powers of the presidency for the benefit of his family members. The Democratic president had previously said he would not pardon his son or commute his sentence after his convictions in the two cases in Delaware and California. The move comes weeks before Hunter Biden was set to receive his punishment after his trial conviction in the gun case and guilty plea on tax charges, and less than two months before President-elect Donald Trump is set to return to the White House.It caps a long-running legal saga for the younger Biden, who publicly disclosed he was under federal investigation in December 2020 — a month after his father's 2020 victory — and casts a pall over the elder Biden's legacy. Biden, who time and again pledged to Americans that he would restore norms and respect for the rule of law after Trump's first term in office, ultimately used his position to help his son, breaking his public pledge to Americans that he would do no such thing.

pardon or commutation for his son, telling reporters as his son faced trial in the Delware gun case, "I abide by the jury decision. I will do that and I will not pardon him." As recently as Nov. 8, days after Trump's victory, White House press secretary Karine Jean-Pierre ruled out a pardon or clemency for the younger Biden, saying, "We've been asked that question multiple times. Our answer stands, which is no."In a statement released Sunday evening, Biden said, "Today, I signed a pardon for my son Hunter," alleging that the prosecution of his son was politically motivated and a "miscarriage of justice."

"The charges in his cases came about only after several of my political opponents in Congress instigated them to attack me and oppose my election," Biden said. "No reasonable person who looks at the facts of Hunter's cases can reach any other conclusion than Hunter was singled out only because he is my son.""I hope Americans will understand why a father and a President would come to this decision," Biden added, claiming he made the decision this weekend. The president



had spent the Thanksgiving holiday in Nantucket, Massachusetts with Hunter and his family, and was set to depart later Sunday on what may be his last foreign trip as president before leaving office on Jan. 20, 2025. Hunter Biden was convicted in June in Delaware federal court of three felonies for purchasing a gun in 2018 when, prosecutors said, he lied on a federal form by claiming he was not illegally using or addicted to drugs. He was set to stand trial in September in the California case accusing him of failing to pay at least \$1.4 million in taxes. But he agreed to plead guilty to misdemeanor and felony charges in a surprise move hours after jury selection

Hunter Biden said he was pleading guilty in that case to spare his family more pain and embarrassment after the gun trial aired salacious details about his struggles with a crack cocaine addiction. The tax charges carry up to 17 years behind bars and the gun charges are punishable by up to 25 years in prison, though federal sentencing guidelines were expected to call for far less time and it was possible he would avoid prison time entirely. The sweeping

pardon covers not just those offenses, but also any other "offenses against the United States which he has committed or may have committed or taken part in during the period from January 1, 2014 through December 1, 2024."

Biden is hardly the first president to deploy his pardon powers to benefit those close to him.In his final weeks in office, Trump pardoned Charles Kushner, the father of his son-in law, Jared Kushner, as well as multiple allies convicted in special counsel Robert Mueller's Russia investigation. Trump this week announced plans to nominate the elder Kushner to be the U.S. envoy to France in his next administration.

Tuesday, 03 December 2024

India's road to WTC Final: What is the U-19 Asia Cup to T10 League: MI's recruit Ghazanfar plays 4 matches in 3 days updated scenario ahead of Adelaide Test

New Delhi. At just 18 years old, Allah Ghazanfar is quickly cementing his place as one of Afghanistan's most promising cricketers. Standing tall at 6-foot-2, the mystery spinner has already drawn comparisons to Rashid Khan and Noor Ahmad. His recent achievements, including a lucrative IPL 2025 deal with the Mumbai Indians, showcase his growing stature in the cricketing world.

This week, Ghazanfar demonstrated his remarkable versatility by featuring in two different competitions within 24 hours. On Friday, he represented Afghanistan's U19 team in the ACC Under-19 Men's Asia Cup in Dubai, when he delivered an economical spell of 1/25 from his 10 overs, which included a maiden. His efforts helped restrict Bangladesh U19 to 228/9, although Afghanistan eventually fell short by 45 runs. Allah Ghazanfar turns heads



Barely a day later, Ghazanfar was back in action, this time for Team Abu Dhabi in the T10 League at the Zayed Cricket Stadium. Despite the quick turnaround, he impressed once again, recording figures of 1/10 in two overs as Team Abu Dhabi cruised to an eight-wicket victory over the Northern Warriors. This seamless transition between formats also showed Ghazanfar's growing maturity and adaptability. Over the past months, he has emerged as a key player for Afghanistan in various tournaments. His career-best ODI figures of 6/26 against Bangladesh earlier this year grabbed headlines, while his consistency in a series win over South Africa further showcased his potential.n the ACC Emerging Asia Cup T20 held in Oman last month, Ghazanfar played a pivotal role in Afghanistan A's historic triumph. His 2/10 in the semi-final against India A proved decisive, helping Afghanistan clinch their maiden title in the tournament.

Who is the mystery spinner?

Mumbai Indians bought Afghanistan spinner Allah Ghazanfar for the Indian Premier League 2025. Kolkata Knight Riders, Royal Challengers Bengaluru and Kolkata Knight Riders (KKR) also fought hard to bag the young mystery spinner, but in the end, MI bagged the tweaker.Last year, Ghazanfar was a part of the Knight Riders, but did not get to play a single match.

Keep talking to Jassi bhai: Siraj shows trust in Bumrah to find success in AUS

New Delhi. India pacer Mohammed Siraj recalled how a crucial piece of advice from Jasprit Bumrah helped him return to form in Gavaskar Trophy. Siraj, who took only 2 wickets in the entire Test series against New Zealand, said that Bumrah asked him not to hunt for wickets but instead to focus on consistency in hitting one particular length.Siraj, who only played 2 Tests in the 3-match home series against New Zealand, picked up 5 wickets in Perth alone and played the role of a perfect support cast to Bumrah in Perth. The pacer spoke to ESPNcricinfo about his form revival and said that the Australian pitches also had a crucial role in him getting back into rhythm.

"I always keep talking to Jassi bhai [Bumrah]," Siraj told ESPNcricinfo."Even before the first match, I spoke with him about what I was going through. And he just told me one thing - don't run after wickets, just keep bowling consistently in one area and enjoy your bowling. If you still don't get wickets, then you come ask me. So I enjoyed my bowling and I got wickets as well," he added."Australia is a place where a fast bowler enjoys because you get pace and bounce. As a fast bowler, you get everything you want. So you get a different kind of confidence to come and enjoy your bowling here," Siraj said about the wickets.

Border-Gavaskar Trophy: Complete Coverage PINK BALL IS SYNTHETIC: SIRAJ

India will be playing Australia in a pink ball Test match next. Australia have never lost a pink ball Test in their history and the last time they played India in a pink ball game, they bowled the visitors out for just 36 runs in the second innings. Siraj spoke about the feel of the pink ball and said that he had not bowled with it under the lights yet. Siraj felt that the best length for the pink ball was not fuller, as it did not swing much, unlike the traditional red-ball - from that particular length."This [pink] ball has a synthetic feeling," Siraj said. "This is different to the red ball we play with. There can be a bit of confusion due to the ball, but it's just one match so we just have to focus on that and practice for it and we'll improve day-by-day. The seam is very hard. It's bright, and quite big. The more you practice with it, the better you get."I think that with the pink ball, it's better to bowl back of length. Because pitching it up, there's not a lot of swing, so the more you hit the deck and get it to seam, it will be better for us."I have heard that the ball swings a lot under the lights but I haven't yet bowled with it under lights. So when we go to Adelaide and practice, we will try that. And the more practice we get, we'll know more about what

we have to do.

Former Manchester United forward Ruud van Nistelrooy was appointed as the new manager of Leicester City, the Premier League club announced on Friday.

New Delhi. India spiced up the race for the World Test Championship Final with a resounding victory in the first Test match of the Border-Gavaskar Trophy. What seemed like a distant dream after their crushing 0-3 once again back in India's grasp.

There might still be a long way to go, but India can realistically make it to the final of the ICC tournament - which will be their third in a row. Here's are the updated qualification scenarios for the World Test Championship Final race - as South Africa, Sri Lanka, India and Australia vie for the final two spots in the



India's Potential Path to the WTC Final

home series loss against New Zealand, is India's chances of qualifying for the WTC Final are very much in their hands, with several potential outcomes based on their performance in the upcoming series against Australia.India win 5-0, 4-0, or 3-0 vs Australia: If India manage to win the series by any of these margins, they will directly qualify for the WTC Final. A dominant performance would all but seal their spot, making them the first team to qualify.

India win 3-1 vs Australia: If India clinch the series 3-1, they will also qualify for the final, but with one condition. South Africa must not beat Sri Lanka in the second Test. If South Africa wins that series, India's qualification could be in jeopardy.

India win 3-2 vs Australia: A 3-2 win for India will still keep them in the running for the final, but the scenario becomes more complex. For India to qualify, Sri Lanka must win at least one Test against South

Africa and then draw at least one game against Australia. This combination of results would ensure India's spot in the final. India draw the series 2-2: A drawn series will also keep India's hopes alive, but several results must go in their favour. South Africa must beat Sri Lanka 2-0, and Sri Lanka must win at least 1 Test against Australia (in their upcoming home series). Additionally, Sri Lanka must not lose the series 0-2 to Australia, ensuring a narrow path to qualification for India. What This Means for the Teams Involved? The Adelaide Test, therefore, holds huge significance for both India and Australia. For India, their qualification scenario is heavily influenced by the results of Sri Lanka and South Africa's Test series. For Australia, their hopes remain strong, and they will look to keep up their pressure on India, knowing that every point counts. In the context of the WTC race, other teams like South Africa and Sri Lanka are also playing pivotal roles. Sri Lanka, in particular, will need to secure key wins against South Africa and Australia to help India's qualification chances. The Adelaide Test could very well be a turning point in this fascinating WTC cycle, with India needing to maximise their points to secure a direct route to the final, while Australia will be

Sam Konstas expresses desire to face Jasprit Bumrah after century in warm up game

New Delhi. Young Australian batter Sam Konstas expressed his desire to face India's premier speedster Jasprit Bumrah after his magnificent hundred during warm-up fixture. Notably, Konstas played a magnificent innings of 107 (97) for Prime Minister's XI against India during their pink ball warm up fixture. The 19-year-old put his wide array of strokes on display as he hammered the Indian bowling.

However, he couldn't face Bumrah who was rested for the warm-up fixture. Following his century, he praised the India fast bowler for his skills calling him the best in the world and hoped to face him one day. The righthanded batter also revealed that he's confident in his game and relished the opportunity to play against a top quality Indian side."I was watching quite a bit. Bumrah is a skilful player, obviously, and probably the best in the world. Hopefully, one day I can face him and see how we go. I feel confident [in my game]. I've been "I've been practicing it a little bit with Tim training really hard and it's a great Paine, but yeah, good to get a few away. Tim



opportunity to play against the best players," Konstas was quoted as saying by WA Today.Further speaking ahead, Konstas revealed that he's been training under the former Australia captain Tim Paine and shared his advice on how to approach a 46over game.

"I've been practicing it a little bit with Tim

just told us to have good intent and put pressure on them and treat it like a 46-over game. So I was just trying to keep things simple and just trying to stick to my plans," he said. Konstas was among the contenders to be Australia's new opener for the ongoing series. However, Nathan McSweeney pipped him with his leadership skills and match-winning knock in the first unofficial Test against India A. McSweeney further didn't have a memorable Test debut in the first Test in Perth as he fell prey to Jasprit Bumrah registering scores of 10 and 0 in the two innings respectively.

Moreover, the Australian top order is under immense pressure after Perth loss and the places of some of the players in team is even being questioned. Hence, Konstas' century has come at the right time for Australia who're eager to end their woes and make a comeback in the series during the second Test in Adelaide. The 19-year-old will be hopeful of making it to the team in the

aiming to strengthen their position. Travis Head eager to meet Jasprit Bumrah in pink ball Test: I know what is coming

Adelaid Australia batter Travis Head is ready to face Jasprit Bumrah with the pink ball. Speaking ahead of the Adelaide Test match, the second fixture of the Border-Gavaskar Trophy, Head warned Bumrah that he knew what was coming. The Australia middle-order Test batter has been a thorn for India over the past year. Head batted well in the second innings of the Perth Test match as well but was not able to save the match for Australia. Head scored 89 runs off just 101 balls before Bumrah brought himself back in the attack in the 39th over and edged the batter back to Rishabh Pant.Head was confident about playing Bumrah in the pink ball Test match and said that he knew what was coming his way."I am best when I just look for the cues when I'm, like, just preparing to watch the ball hard and staying fresh mentally. And I think



Dropping Hazlewood an indication of rift in Australian campTravis Head reacts

AUS vs IND: Travis Head reacted to the possible rift in the Australian camp after Josh Hazlewood was ruled out from the 2nd Test in Adelaide.

New Delhi. Travis Head reacted to the rumours over a rift in the Australian camp after their loss to India in the 1st Test at the Optus Stadium in Perth. Head dismissed such claims and said that the players get along really went, and the unit has been playing together for last three-four years. The rumours stemmed after Josh Hazlewood was ruled out of the 2nd Test in Adelaide due to an alleged injury i.e side strain. However, it was understood that the possible reason could be his remarks in the post-match press-conference after Australia's 295-run loss in Perth."There's most of the dive when we're winning as well. I think that's the one thing with body



language and divide and all the stuff that comes out when you face a loss, that this team's been together three or four years, and we were winning. I think it's not much too dissimilar. So yeah, the guys get along really well. We hold high expectations for both sides," Head said in the pressconference."You probably have to ask one of the batters that question probably, I am sort of relaxing and trying to get a bit of Test," Hazlewood said after the loss. Former cricketers like David Warner, Michael

Vaughan and Ravi Shastri raised concerns over a possible rift within the team and called out the speedster for openly bringing it to the fore.

Travis Head dismisses rumours

However, Travis Head said that every player in the team realised their responsibility and aim to perform as per the needs of the team, be it the bowlers or the batters. It's a very individualised sport. So batters want to hold our own. We know the bowl. We know how good our bowlers have been for us in the past, and they've got us out of trouble a lot. So, as a batting group, we know that if we can get enough runs on the ball, we put ourselves in a great position. So as a batter myself, I try to hold a lot of pride in what I do and knowing that if I can set it up for the big boys, that they can knock it down for us," he

Who will replace Hazlewood?

treatment, and I am looking mostly to next Hazlewood was the pick of Australia's bowlers in Perth with match figures of 5 for

I'm lucky that I faced him a few times. He comes across me a fair bit now, so it's going back to recent times and times you have played him and we've done it enough. Now we've been very fortunate to play him a lot. So, I know what's coming. It's just making sure that I'm prepared and fresh to play well,' Travis Head said ahead of the Adelaide Test

Border-Gavaskar Trophy: Complete Coverage The batter was asked about the body language of the Australian side, which did not look good on Day 3 and 4 of the Perth Test match after they were bowled out for just 104 runs in the 1st innings. Head said that there was no need to read too much into things and that the team was working on the changes before the 2nd Test.It's probably the closer losses that hit you by a bit of surprise that it takes a few days, but with the way that our Test played out, like we're pretty much outplayed. So, pretty easy to realise what we did wrong," Travis Head said."Now we get three or four days to work on them and make sure. And it's not really massive changes, but hopefully with a bit of energy and knowing what's on the line, we can crack on and play well," Head concluded.

Juan Martin del Potro bids farewell to tennis, wins final match vs Novak Djokovic

Juan Martin del Potro bid an emotional farewell to tennis, defeating Novak Djokovic in his final match. Despite a career marred by injuries, the 2009 US Open champion leaves a legacy of resilience, passion, and unforgettable moments on the court.

New Delhi. Argentinian tennis great Juan Martin del Potro ended his illustrious but injury-marred career with an emotional exhibition match against Novak Djokovic. This marked a bittersweet farewell to the sport. In a heart-warming display of respect, Watch the video here

Djokovic allowed del Potro the final say, surrendering the last point as the Argentinian sealed a 6-4, 7-5 victory. The two embraced at the net, with tears flowing, as fans celebrated the career of one of tennis' most beloved players.Del Potro, known for his booming forehand and towering presence, will be remembered as one of the few players to challenge the dominance of the Big Three. His crowning achievement came in 2009 when he captured the US Open title as he defeated Rafael Nadal and Roger Federer in back-to-back matches. That victory remains his sole Grand Slam title, which also reflected the challenge of competing in an era dominated by the legends."You're a special player and special person. I hope this moment is one that you're celebrating. You shouldn't be sad. We all need to move on in life. The best is yet to come for you, Roger Federer sent out an emotional message.



"I don't know anyone who doesn't love Juan Martin... His greatest victory in life is that he's a wonderful person," Djokovic said in

the on-court interview. Despite his success, del Potro's career was plagued by injuries. A fractured kneecap in 2018 and subsequent setbacks in 2019 forced him into early retirement. Speaking candidly about his struggles, del Potro revealed the physical and emotional toll: "Since my first surgery, I've never been able to climb stairs without pain. It's like a neverending nightmare."

del Potro bids emotional farewell

The 36-year-old shared the daily hardships he continues to face, from sharp pains to reliance on medication. "Every day, I wake up and take six or seven pills. The knee beat me. It robbed me of what I loved most-playing tennis."Though injuries cut short what could have been an even greater career, del Potro's resilience and passion made him a fan favorite. His final match against Djokovic was not just

a farewell but a celebration of a player who inspired millions with his determination and







elevision actress Aasiya Kazi, known for her roles in Tenali Rama, Balika Vadhu, Bandini etc, has married her longtime boyfriend and actor Gulshan Nain. The couple announced the delightful news on social media by sharing some beautiful pictures from their wedding ceremony. Several TV actors such as Anupamaa fame Jaswir Kaur, Kunal Pant, Supriya Shukla, Abhishek Kapur, Vibhuti Thakur, and Toral Rasputra attended the wedding, which took place in Mumbai on November 29. Aasiya Kazi and Gulshan Nain took to their Instagram to share some dreamy pictures from their wedding. "Here's to the beginning of forecer (infinity and red heart emoji)," read the caption of the post. The first picture shared by the couple captures them in a candid moment at their wedding ceremony. Aasiya is seen laughing, while Gulshan holds her close. Another picture shows them posing together on the stage. The bride wore a traditional red lehenga with heavy golden embroidery. She accessorized with a statement white and red kundan neckpiece, maang tikka, and earrings. Meanwhile, Gulshan donned a black sherwani with matt golden embroidery

As soon as they shared the pictures, Kishwer Merchantt, Leena Jumani, Roop Durgapal, and many others congratulated the newlyweds. Roop Durgapal wrote, "Heartiest heartiest Congratulations dear @aasiya_o9 @gulshannain. Stay blessed & have a beautiful journey ahead," while Kishwer wrote, "Arre arre congratulations.. so happy for you." Karan Sharma wrote, "Oyeee congratulations @aasiya_o9 super Happy for you. Best wishes to both of you Gulshan."Aasiya Kazi and Gulshan Nain have been dating for eight years. Assiya became a household name with her role as Santu in the television show Bandini. She also played the role of Saudamini in Matti Ki Banno, Ganga in Balika Vadhu and Sharda in Tenali Rama. She has also been a part of other TV shows such as Dharampatni, Hitler Didi, Na Bole Tum Na Maine Kuch Kaha 2, and Janam Janam Ka Saath. Gulshan Nain was seen in web shows such as All About Section 377, Campus Diaries, Campus Beats etc.

Patralekhaa Recalls Luv Ranjan Rejecting Her For Pyaar Ka Punchnama 2: 'How Can He Reject Me On My Face?'



rector Luv Ranjan's Pyaar Ka Punchnama franchise is widely recognized for launching the careers of actors like Kartik Aaryan and Nushrratt Bharuccha. The films also featured Sunny Singh, Divyenndu, Omkar Kapoor, Ishita Raj Sharma, and Sonnalli Seygall. However, not every audition story has a fairy-tale ending. Actor Patralekhaa recently opened up to Mashable India about her experience auditioning for the second installment of the film and being rejected in an unexpected yet respectful manner. She shared, "Before CityLights, I was auditioning for Pyaar Ka Punchnama 2. Luv sir was taking the auditions, and his auditions are always very elaborate. There was Nushrratt, Kartik, Omkar, Sunny, and many other girls. These three-four people were finalised, and they wanted 2 more new faces. I auditioned and felt that I will get this role.'

Patralekhaa was initially optimistic about her chances. "Later on, I was in the gym, and Luv Ranjan called me. Phone tab aata hai jab aapko milta hai (You get a call when you bag the role). He asked me to come over, and I felt so excited. I took a shower and wore my best clothes to head over to his office," she recalled. However, her excitement quickly turned to disappointment. "He sat me down, and no one was there; it was just me and him. In my mind, I thought that he will break the good news and people will come in with flowers, chocolates, and cakes. He said, 'Yaar, yeh jaane de (Let this one go).' At that moment, I felt really bad and thought, 'How can he just call me and say no to my face? It's not cool," she admitted.

Though disheartened at first, Patralekhaa later came to appreciate the way Ranjan handled the situation. "I came out and was super upset. I went back home, and it dawned upon me later that he gave me so much respect as an artist and actor. He calls me to his office and says, 'Beta nahi hopaaya, but hum aage jaake kaam karenge na (Child, it couldn't work out this time, but we'll work together in the future).' That's a lot, and I think that's why I got Wild Wild Punjab," she reflected.



and-white shot puts into spotlight her silhouette as she holds up her saree pallu in the air. A close-up shows her resting her face against the soft fabric, radiating bridal glow.Naga Chaitanya is set to marry for the second time after his divorce from Samantha Ruth Prabhu. He and Sobhita Dhulipala will tie the knot on December 4 at Annapurna Studios in Hyderabad. The couple had kept their relationship under wraps until their engagement in August, but Naga Chaitanya recently opened up about their love story. In an interview with Zoom, he shared details about their first meeting and opened up on their upcoming wedding, which he called a 'private affair'. Naga Chaitanya also opened up on how great

it has been to get to know Sobhita and her family over time. He said, "It's been lovely getting to know Sobhita and her family the past few months, watching the families interact has been a joy. I am really looking forward to and excited for the wedding day, going through all the rituals and watching the families come together."Naga Chaitanya's first marriage was with actress Samantha Ruth Prabhu. They got married in October 2017 after dating for a long time. Unfortunately, the couple announced their separation in October 2021, citing personal differences, and later finalised their divorce in 2022.

Priyanka Chopra's

Mom Says Brother Siddharth Was 'Collateral Damage' To Her Success: 'He's Struggling...'

r. Madhu Chopra recently opened up about the sacrifices she made to support her daughter Priyanka Chopra's meteoric rise in the entertainment industry. However, she also reflected on the unintended impact this had on her son, Siddharth Chopra. In a heartfelt interview, Madhu revealed how balancing her daughter's career aspirations and family life meant that Siddharth, then a teenager, had to grow up without as much parental guidance.

Speaking on the Something Bigger Show YouTube channel, Madhu admitted, "Siddharth was the collateral damage to all of Priyanka's success, because dad was working, I was with Priyanka, he just grew up on his own and he was a teenager at that time. He, I think, was collateral damage for me." She became emotional while talking about the challenges Siddharth faced, saying, "When I think about it, these are certain things that you had to deal with him."

When asked to elaborate, Madhu revealed that Siddharth still faces struggles in his daily life. She shared, "I see him struggling everyday and I feel that, okay god has



so just count your

blessings, one by one and it will surprise you what the lord has done. I count my blessings everyday." Despite this, she expressed gratitude for her children, saying, "I have two great kids, who love me, care for me."

Priyanka has also spoken about her relationship with Siddharth in the past. In an interview with Hindustan Times, she reflected on their sibling bond, saying, "We have grown up squabbling and fighting as most siblings do. He is the younger one technically, and so, I did my

duty as the older sibling and bullied him mercilessly. But no matter what I did, he would be there for me, with a smile on his face and love in his eyes. I think the strength of the bond that we share is tremendous. A lot is unsaid between us, but we know that no matter what, we'll always be there for each other. "Recently, Siddharth Chopra married Neelam Upadhyaya in an intimate ceremony in Mumbai. Priyanka attended the wedding, accompanied by her husband Nick Jonas and their daughter Malti Marie. The couple had celebrated their engagement in April, which was also a family affair.